लोगों के बल, बेहतर शहरों का कल

सहभागिता और समावेशपूर्ण शहरीकरण

भ्रमण प्रदर्शनी: 2013

"लोगों के बल, बेहतर शहरों का कल" एक ऐसा कार्यक्रम है जो समुदायों, शहरी पेशेवर कर्मियों, यूनीवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संगठनों और नीति निर्माताओं के बीच शहरों को समावेशपूर्ण बनाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के संबंध में ज्ञान के आदान-प्रदान तथा साझे मंच बनाने के लिए दस देशों की यात्रा कर रहा कर रहा है।

"ग्लोबल स्टूडियो", एक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा कार्यक्रम,के कार्य को आधार बनाते हुए यह प्रदर्शनी ऐसी समुदाय चालित परियोजनाओं का दस्तावेजीकरण करती है जिनके लक्ष्य साझे हैंः साथ ही इसका उद्देश्य सहभागी डिज. इन और नियोजन के जरिये शहरी निर्धनों के जीवन में सुध ाार के लिए समावेशपूर्ण शहरीकरण को प्रोत्साहन देना है।

कल

अमरीका
घाना
दक्षिण अफ्रीका
फिलिपीन्स
कोलंबिया
भारत
पेरू
ब्राजील
इंडोनेशिया
आर्जेंटिना

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

लोगों के बल, बेहतर शहरों का कल

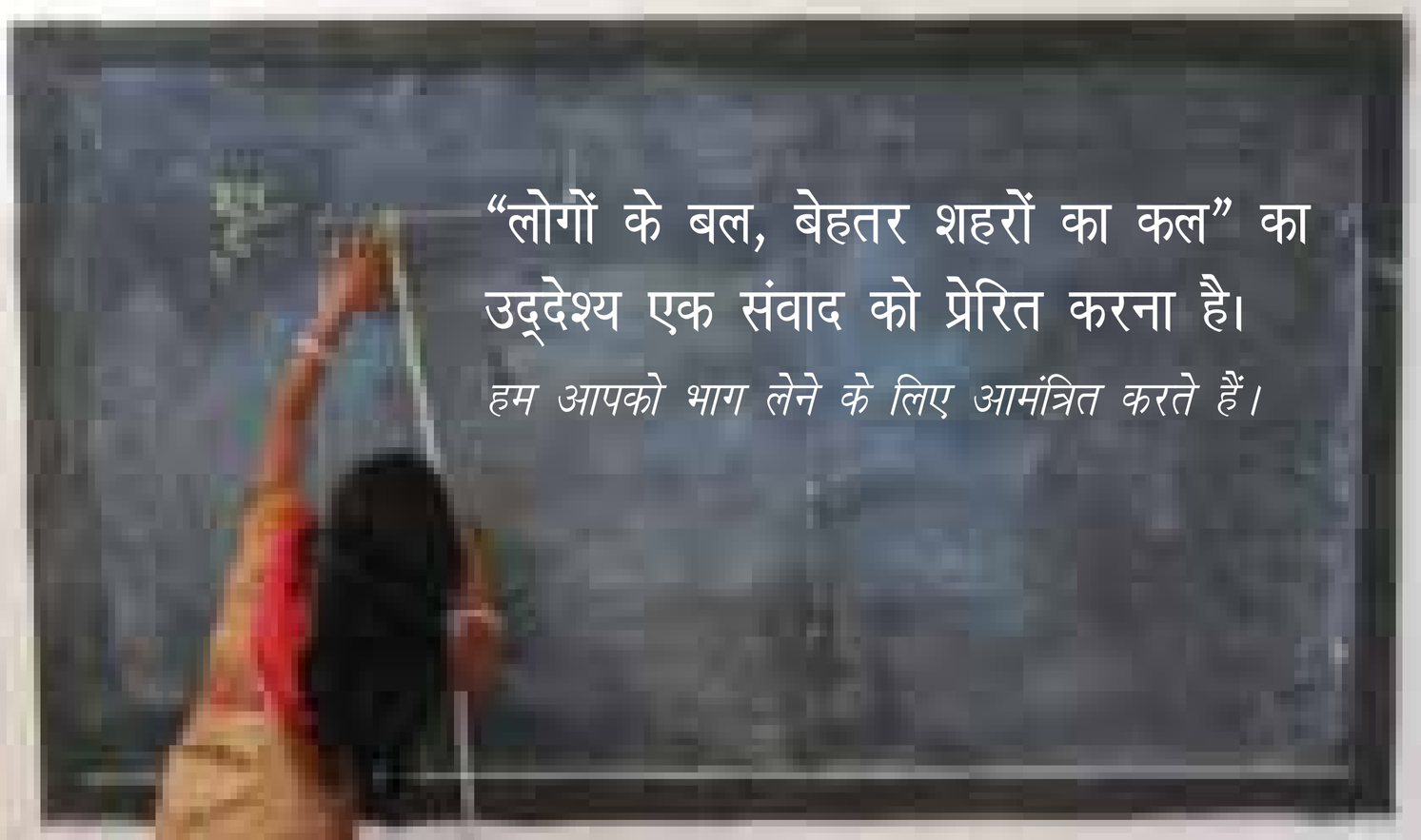

दुनिया भर में विकास की स्वतंत्रता, और अच्छे आवास, जल और स्वच्छता जैसी सुविधाओं से बहुत से लोगों को वंचित किया गया है। शहरी शिक्षा और व्यवहार के रूप इन सुविधाओं का विस्तार कर सकते हैं। निम्न आय वाले परिवारों और समुदायों के साथ काम करके शहरी पेशेवरकर्मी शहर की मौजूदा समस्याओं को दूर कर सकते हैं और विकास के लाभ लोगों को प्राप्त करवा सकते हैं।

शहरों को समतापूर्ण, समावेशपूर्ण, सजग और स्थायित्वपूर्ण बनाने के लिए नागरिकों की भागीदारी की जरूरत है।

असमानता समस्याएं और मुद्दे

आय असमानता

विकसित और विकासशील दुनिया के सभी शहरों में असमानता एक मुख्य चिन्ह है।

असमानता जाति, नस्ल, लिंग आदि की दृष्टि से लोगों को अलग और बहिष्कृत कर सकती है। यह विपदाओं को भी बढाती है। इससे लोगों को आवास, स्वास्थ्य, रोजगार, शिक्षा और आय असमान रूप से प्राप्त होती है।

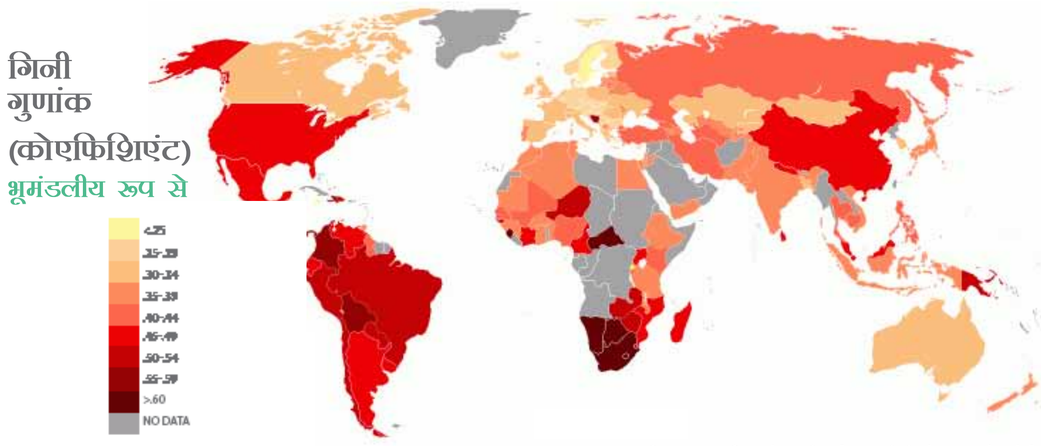

एटलांटिक, 2011, विश्व बैंक, सीआईए, अमरीकी सेंसस ब्यूरो, ओईसीडी स्टैटएक्सट्रैक्ट

आय असमानता

fxuh xq.kkad ¼dk,fQf'k,aV½ }kjk ekfir] tgk¡

0 ¾ i.k lekurk vkj gj fdlh dh leku vk;

100 ¾ i.k vlekurk vkj lkjh vk; ,d 0;fDr dk

गिनी गुणांक (कोएफिशिएंट) चुने हुए देश

i.k vlekurk ;k 0 ¼'kU;½

lHkh dh leku vk; g

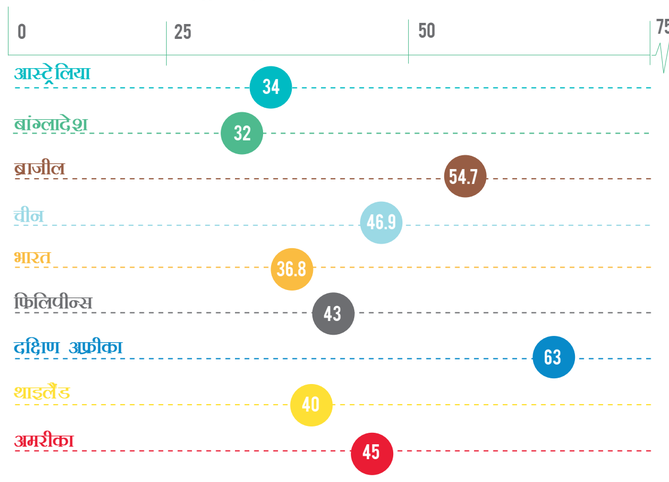

पूर्ण असमानता या 100

lkjh vk; ,d 0;fDr dk tkrh g

स्रोत: वर्ल्ड बैंक, नेशन मास्टर

गिनी गुणांक (कोएफिशिएंट) आय और संपदा असमानता का माप है। यह देश के भीतर असमानता को प्रतिबिंबित नहीं करता और कर प्रणालियों तथा सामाजिक व्यय को विचारांतर्गत नहीं लेता।

विश्व बैंक, सीआईए, अमरीकी सेंसस ब्यूरो, ओईसीडी ओईसीडी स्टैटएक्सट्रैक्ट से प्राप्त गिनी, गुणांक (कोएफिशिएंट) आंकड़े

कब्जा करना

अमरीका में एक प्रतिशत लोगों का 40 प्रतिशत संपत्ति पर कब्जा है। वर्ष 2011 में "वाल स्ट्रीट पर कब्जा करो" आंदोलन ने पूरे राजनीतिक परिदृश्य को बदल डाला और यह विश्वभर में फैल गया। एक लोकप्रिय आंदोलन के रूप में इसने असमानता पर संवादों को नये सिरे से प्रस्तुत करने में मदद की।

"असमानता हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर बनाती है और आर्थिक अस्थिरता लाती है।"
– जोसेफ स्टिग्लिट्ज
"असमानता की कीमत: असमानता आज किस तरह हमारे भविष्य के लिए खतरा है," 2012

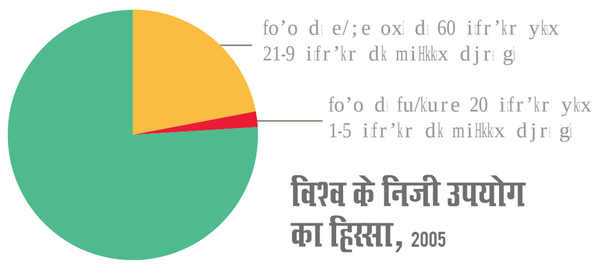

विश्व के निजी उपयोग का हिस्सा, 2005

स्रोत: विश्व बैंक विकास संकेतक, 2008

लोगों के बीच असमानता

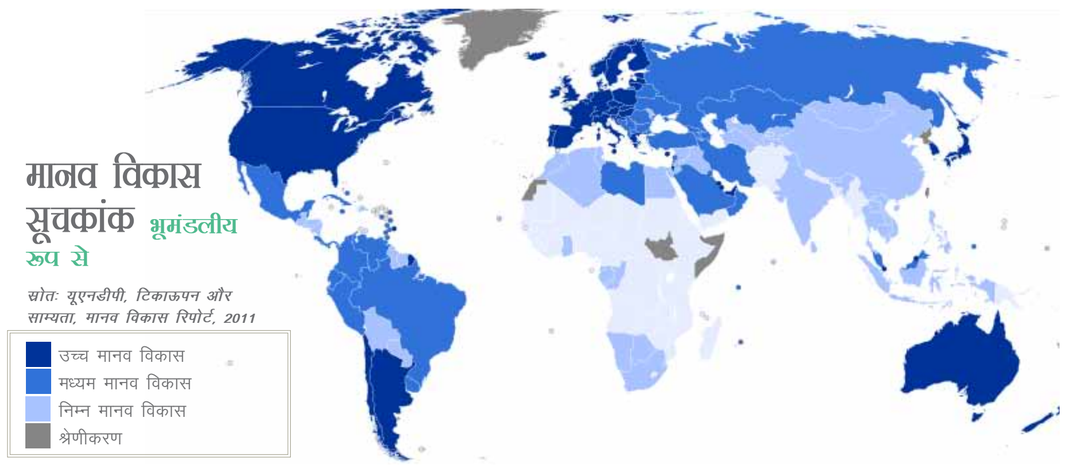

मानव विकास में असमानता

ekuo fodkl lwpdkad thou {kerk] f'k{kk vkj vk; rd igqp dk ,d feyktyk vkdMk gSA 1990 d: ckn l: ;,uMhih u bl lwpdkad dk mi;ksx ekuo fodkl d: pkj Lrjksa e: n'kk dk J.kh dj.k dju d: fy, fd;k gSA

स्रोत: यूएनडीपी, टिकाऊपन और साम्यता, मानव विकास रिपोर्ट, 2011

अलेक्जांड्रा, जोहन्नेसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका

महिलाओं और बच्चों पर गरीबी का असमानुपातिक बोझ पड़ता है।

एक न्यायसंगत शहर के लिए लिंग संबंधी समानता आवश्यक है। कई शहरों में महिलाओं को समान कार्य के लिए समान वेतन नहीं मिलता और उन पर बच्चों को पालने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी होती है। उनकी आवाज को सुनने की जरूरत है।

मानव विकास सूचकांक चुने हुए देश

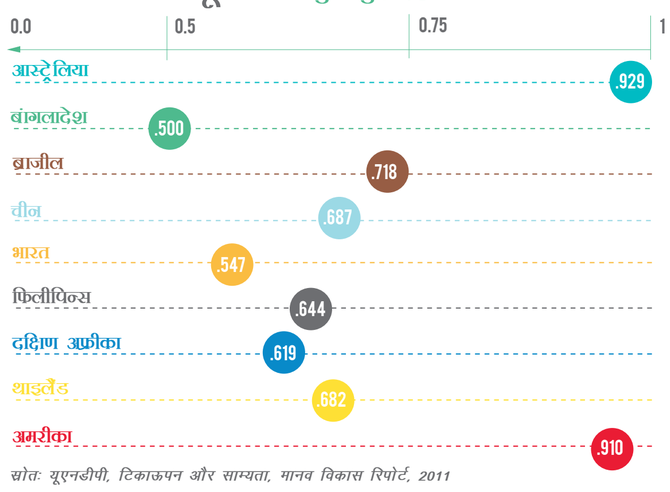

स्रोत: यूएनडीपी, टिकाऊपन और साम्यता, मानव विकास रिपोर्ट, 2011

"निर्धनता स्वाभाविक नहीं है... यह मानव-निर्मित है और मानव प्राणियों के कार्यों से ही इस पर पार पाया जा सकता है।"

& uywu eMyk] 2005

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

जनसंख्या वृद्धि और झोंपडपट्टियां

समस्याएं और मुद्दे

^/kdyu vkj f[kpko oky dkjd* ykxk dk dke dh ryk'k e 'kgj dh vkj ykr gA o"k 2020 rd 4-2 vjc ykx 'kgjk e jgu yxxA

जनसंख्या वृद्धि अधिकाधिक रूप से एक शहरी परिघटना है जो विकासशील देशों में संकेंद्रित है। आज एक अरब से भी ज्यादा लोग झोंपड़पट्टियों में रहते हैं जिसमें से 56 मिलियन लोग विकसित देशों में हैं।

शहरी जनसंख्या वृद्धि चुने हुए देश

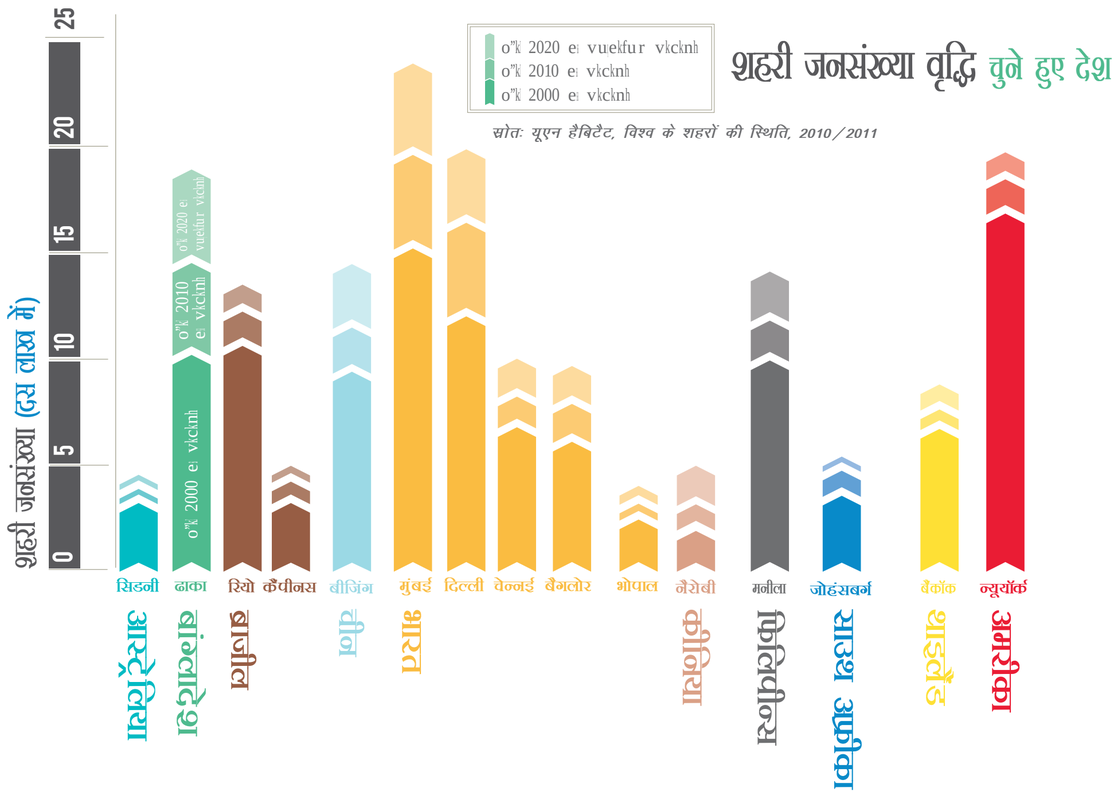

जनसंख्या वृद्धि भूमंडलीय रूप से

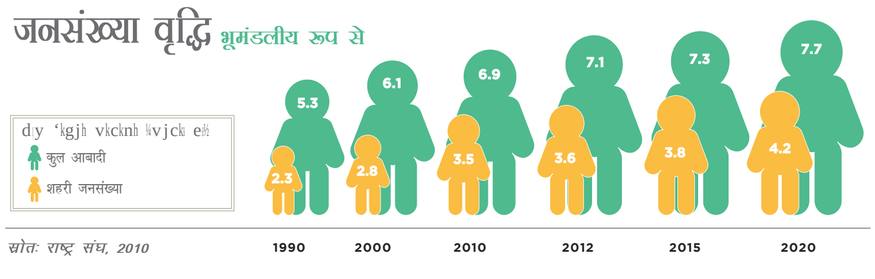

स्रोतः राष्ट्र संघ, 2010

झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले लोग भूमंडलीय रूप से

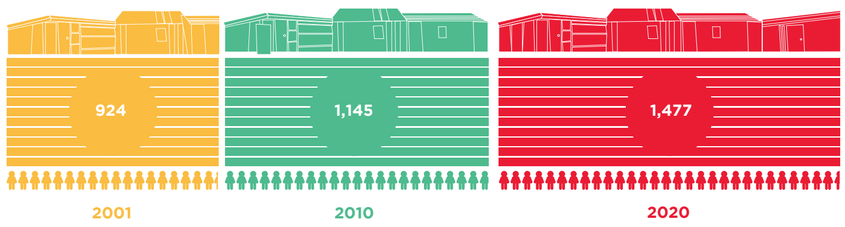

nl yk[k e >kiMiVVh vkdnh d vueku ¼1990&2000 l >kiMiVVh okf"kd of) nj ij vk/kkfjr½

स्रोतः राष्ट्र संघ हैबिटैट

= 50,000,000 लोग

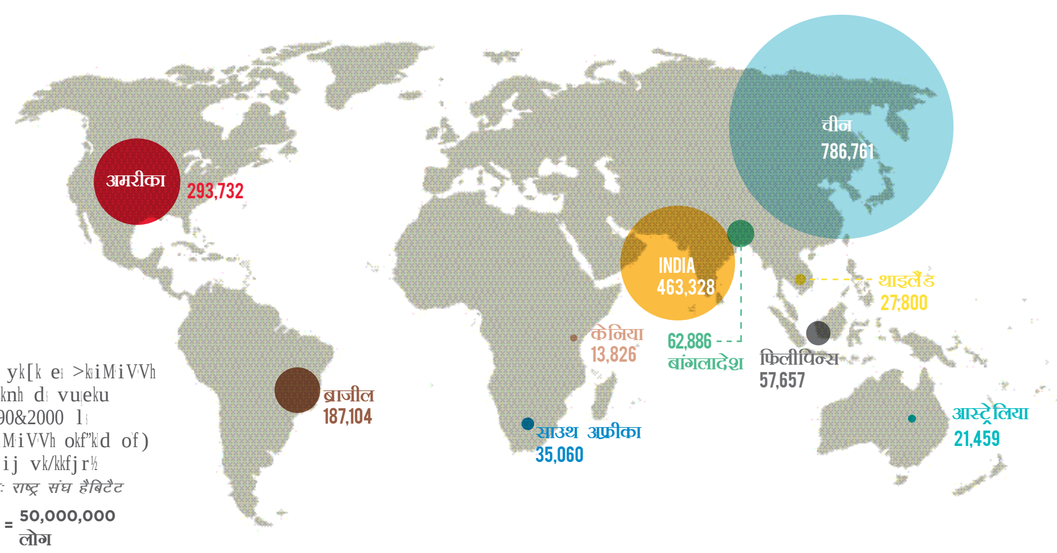

चुने हुए देशों की 2020 की कुल अनुमानित शहरी आबादी

दस लाख में, हर वृत्त दूसरे देशों के संबंध में मापनीय अनुपात का प्रतिनिधित्व करता है

स्रोतः राष्ट्र संघ हैबिटैटः जलवायु परिवर्तन और शहर

स्रोतः रेनू देसाई

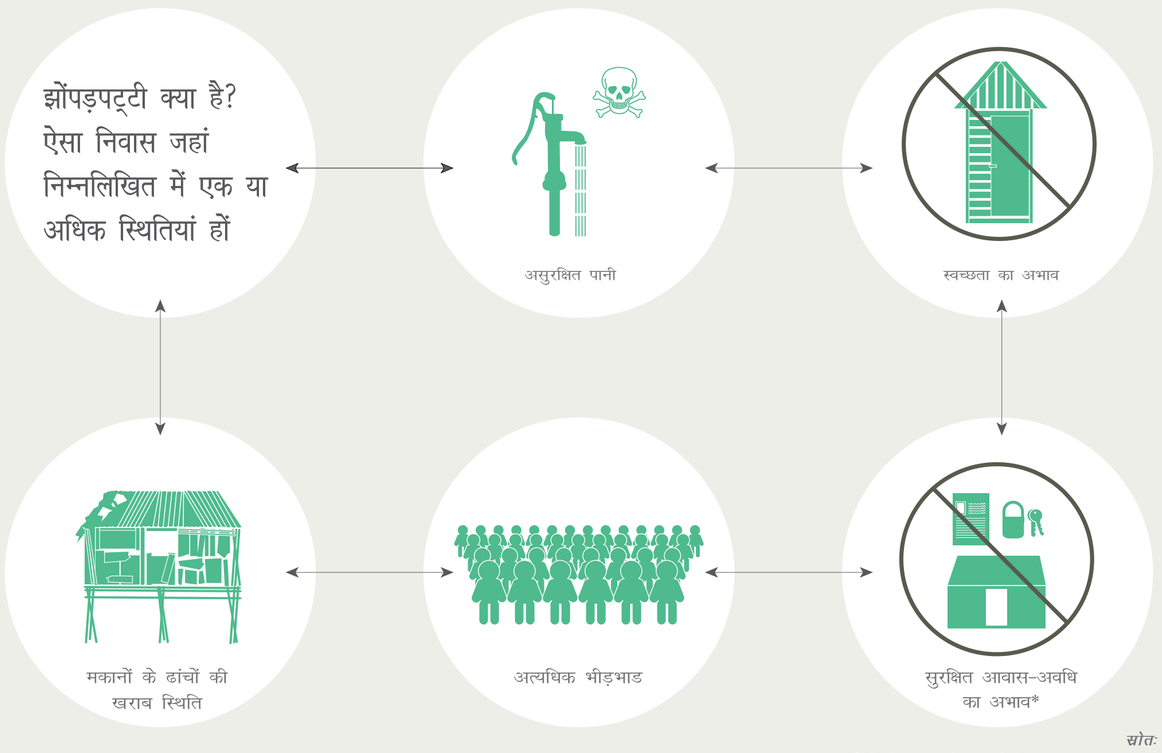

स्रोतः यूएन हैबिटैट

*सुरक्षित आवास–अवधिक का अर्थ है, बेदखली के भय के बिना एक जगह पर रहने की क्षमता।

कई शहरों में झोंपड़पट्टी निवासी आबादी के 60 प्रतिशत से भी अधिक हैं पर उन्हें शहर के विकास के फैसलों में शायद ही कभी शामिल किया जाता है।

"संपदा और अधिकार का बढ़ता हुआ ध्रुवीकरण हमारे शहरों के स्वरूप में अमिट रूप से निहित है। ये शहर समुदायों के किलेबंद टुकड़ों वाले शहर बन जाते हैं और सार्वजनिक स्थानों को सतत निगरानी में रखा जाता है।"

– MfoM goh] *रिबेल सिटीजः फ्रॉम दि राइट टु दि सिटी ऑफ अर्बन रिवोल्यूशन, 2012*

शामिल किये जाने पर शहरी निर्धन आर्थिक विकास और सामाजिक एवं पर्यावरणगत न्याय हासिल करने का संसाधन बन जाते हैं।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

Population Growth

Slums

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

जलवायु परिवर्तन समस्याएं और मुद्दे

शहरी निर्धन जलवायु परिवर्तन की अगली कतार में है। उनके घरों और आजीविकाओं को बाढ़ों, भूस्खलनों, और बाहरी मौसम से अधिक खतरा होता है।

"झोंपड़पट्टियों में रहने वाले निर्धन लोगों को विशेष जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक खतरों के प्रभावों का उच्च जोखिम रहता है। वे शहरों में सबसे असुरक्षित भूमियों में रहते हैं, सामान्यतः उन क्षेत्रों में रहते हैं जो दूसरों के लिए अवांछित माने जाते हैं।

यहां के निवासियों को भूस्खलनों, समुद्र के स्तर के बढ़ने और बाढ़ आने के प्रभावों को झेलना पड़ सकता है। भीड़भाड़ वाली स्थितियों, पर्याप्त बुनियादी सेवाओं और सुविधाओं के अभाव, असुरक्षित आवासों, अपर्याप्त पोषण और स्वास्थ्य की निम्न स्थितियों की वजह से जोखिम और भी बढ़ जाता है। ये स्थितियां प्राकृतिक खतरे या जलवायु परिवर्तन को विपदा में बदल सकती हैं और बुनियादी सेवाओं को क्षति पहुंचा सकती हैं, मकानों को ध्वस्त कर सकती हैं आजीविकाओं की क्षति, कुपोषण, रोग, विकलांगता और जीवन की क्षति का कारण बन सकती हैं।"

स्रोतः बेकर जे., जलवायु परिवर्तन विपदा जोखिम और शहरी निर्धन, 2011

कार्बनडाइ ऑक्साइड का बढ़ता उत्सर्जन

"2011 में कार्बनडाइ ऑक्साइड के उत्सर्जन में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे अधिक थे और 1990 की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक थे। 2011 में कार्बनडाइ ऑक्साइड की वृद्धि के लिए कोयला 43 प्रतिशत, तेल 34 प्रतिशत, गैस 18 प्रतिशत और सीमेंट 5 प्रतिशत जिम्मेदार है।"

–ग्लोबल कार्बन प्रोजेक्ट 2012

कार्बनडाइ ऑक्साइड में कमी लाना और भूमंडलीय तापन के प्रभावों पर अंकुश लगाना, शहरी नीति का अग्रणी और मुख्य कार्य होना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन के खतरे

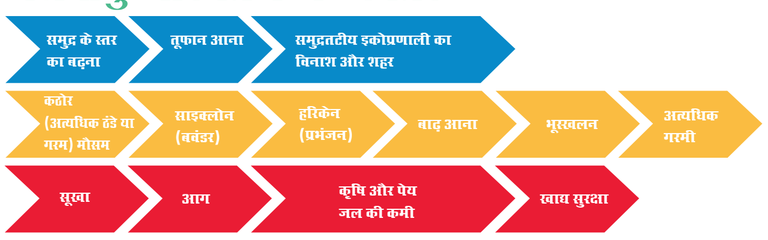

fQfyihl e ck< dk n'; *स्रोतः विल्सन सेंटर*

fHkL[kyu & Qoykfjvk n tufj;k *स्रोतः सिमोन पॉल क्लाक*

eEcb e ckny QVu l ck<] 2005 *स्रोतः नेचुरल हैजार्ड*

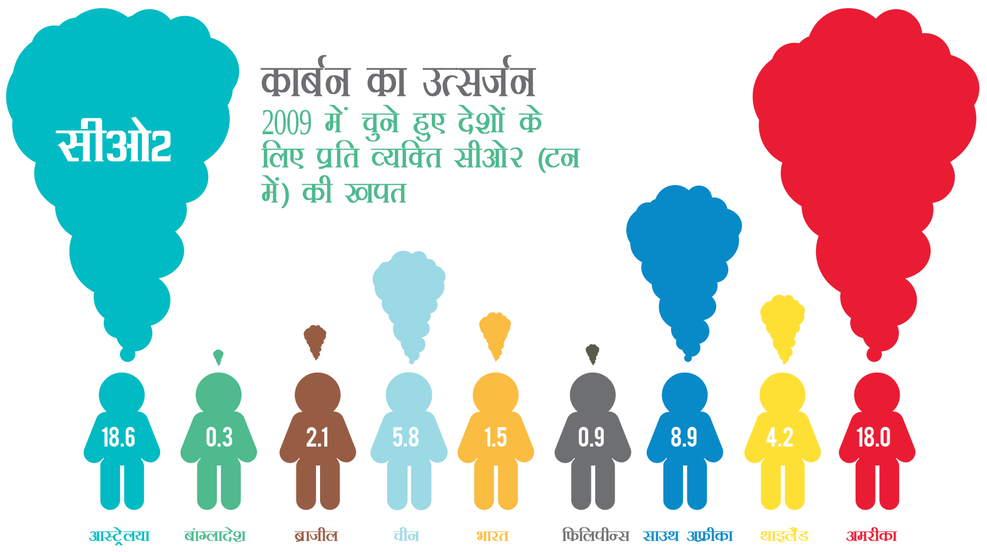

कार्बनडाइ ऑक्साइड उत्सर्जनों ने अत्यंत कठोर मौसमों और भूमंडलीय तापन में योगदान किया *स्रोतः विश्व बैंक विकास संकेतक*

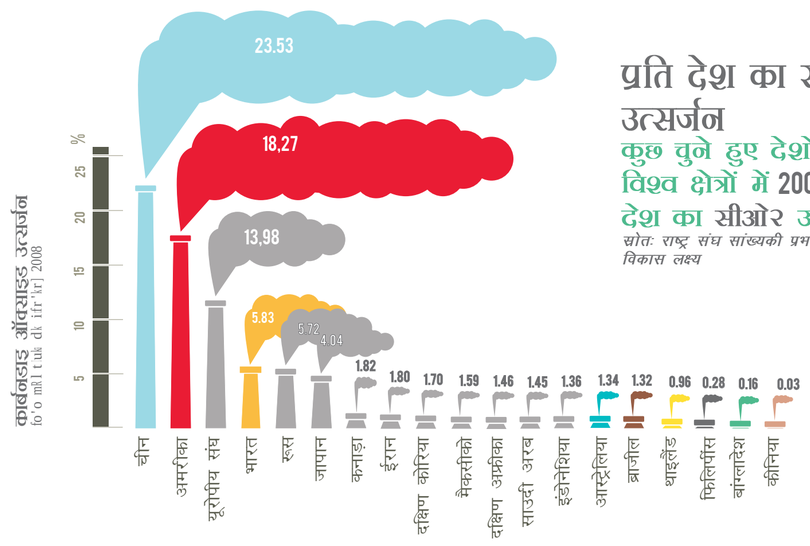

शमन और अनुकूल रणनीतियां कहां और किस प्रकार लागू की जा सकती हैं?

शहरी रूप और ढांचे

अव्यवस्थित फैलाव को कम करने के लिए सघनता को बढाओ; सार्वजनिक स्थान का विस्तार करो, असुरक्षित स्थानों को बेहतर बढ़ाओ, केवल सुरक्षित क्षेत्रों का निर्माण करो, नम भूमियों और शहरी कृषि के लिए सुविधाएं प्रदान करो।

शहरी अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर)

पूरे शहर में नवीकरणीय शाश्वत ऊर्जा प्रणालियां कार्यान्वित करो, कचरे को रिसाइकल करो; सभी निवासियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करो।

कार्बन को अलग करना

पेड़ लगाओ और शहरी वनों को बढ़ाओ

परिवहन

कार पर निर्भरता कम; सभी सामाजिक, आर्थिक समूहों के लिए स्वच्छ प्रोद्योगिकी का विस्तार करो; साइकल चलाने वालों और पैदल चलने वालों के लिए जगह बनाओ

पर्यावरण का निर्माण करो

ऊर्जा-सक्षम डिजाइन, सामग्री और टेक्नालॉजियों को प्रोत्साहन दो; वर्तमान भवनों की मरम्मत करो, जल संग्रह करो, सौर ऊर्जा का उपयोग करो।

"2011 में भूमंडलीय उत्सर्जनों में सबसे बड़ा योगदान चीन (28 प्रतिशत), अमरीका (16 प्रतिशत), यूरोपीय यूनियन और भारत (7 प्रतिशत) का था।"

& HkeMyh; dkcu ifj;kt uk] 2012

जलवायु परिवर्तन: कुछ समाधान

शहरी कृषि

हवाना में शहरी कृषि खाद्य सुरक्षा और कार्बन को अलग करने में योगदान करती है और परिवजन से उठने वाली गैसों को कम करती है।
चित्र का स्रोतः इनहैबिटैटः डिजाइन विध्य को बचायेंगी।

जन परिवहन

कई शहरों में बीआरटीज से सामाजिक, पर्यावरण संबंधी और आर्थिक लाभ प्राप्त हुए हैं: उदाहरण के लिए बोगोटा, क्यूरिटिबा, जकार्ता, गुआंगझाऊ, अहमदाबाद। बीआरटी की सुविधा और सहजता निजी कार के उपयोग को हतोत्साहित करती है। *चित्र का स्रोतः रेल फॉर दि प्लैनेट*

साइकिल

साइकिल विश्वभर में कार्य-कुशल और शून्य उत्सर्जन परिवहन प्रदान करता है। लगभग एक अरब लोग साइकल चलाते हैं। नियमित रूप से साइकल चलाने से अनेक रोगों पर नियंत्रण लगता है और रोकथाम होती हैं।
चित्र का स्रोतः ग्लोबल स्टूडियो, भोपाल

सघनता

वेंकूवर में कृत्रिम क्रीक का सामाजिक रूप से मिश्रित एवं मिलाजुला उपयोग होता है। इसके साथ साथ वहां पर्याप्त सार्वजनिक स्थान हैं और सार्वजनिक परिवहन की अच्छी व्यवस्था है।
Cyberdave.blogspot.com

हरित भवन

भवन निर्माण क्षेत्र ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में लगभग 30 प्रतिशत वार्षिक का योगदान करता है और कुल ऊर्जा के 40 प्रतिशत का उपयोग करता है। कौंसिल हाउस 2, मेलबर्न (2006) इस बात का अच्छा उदाहरण है कि किस तरह स्थानीय सरकार रास्ता दिखा सकती है।
चित्र का स्रोतः सिटी ऑफ मेलबर्न

शहर का हरितीकरण

"मिलियन ट्रीज एनवाईसी" न्यूयॉर्क शहर के शहरी वनों में 20 प्रतिशत वृद्धि करने के उद्देश्य से चलाया गया सार्वजनिक निजी कार्बन पृथक्करण कार्यक्रम है।
चित्र का स्रोतः इंटर कालूज-सीयूएनवाई

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

क्या नागरिकों की भागीदारी अधिक समावेशपूर्ण शहर का निर्माण करती है?

सार्वजनिक भागीदारी के संभावित लाभ

- स्थानीय ज्ञान और प्रतिभा को लामबंद करती है
- अनौपचारिकता को मान्यता देती है
- “शहर पर अधिकार” को प्रोत्साहित करती है
- विवादित स्थानों से नई दिशाएं निकालती है
- सामाजिक पूंजी, अपनत्व और आत्म-निर्धारित का निर्माण करती है।
- शिक्षा के साधनों का आदान-प्रदान करती है
- विश्वास और क्षमता का निर्माण करती है
- बहिष्कृत लोगों को नागरिकता में शामिल करती है।
- डिजाइन और नियोजन के परिणामों को बेहतर बनाती है
- नागरिक नियंत्रण (अर्नस्टेन)

सार्वजनिक सहभागिता के संबंध में संभावित सावधानियां

- पद्धतियां सतही हो सकती हैं
- सर्वसमत्ति हासिल करने के लिए वैध टकराओं की उपेक्षा हो सकती है
- वर्ग, जाति, निर्वंशता बहिष्कार को जन्म दे सकते हैं
- अवास्तविक अपेक्षाएं पैदा हो सकती हैं
- पेशेवर लोग नियंत्रण रखते हैं
- स्थानीय, राजनीतिक या निगमित क्षेत्र के हित प्रक्रिया को अपने नियंत्रण में ले सकते हैं
- चालबाजी (अर्नस्टेन)

समावेशपूर्ण शहर

सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में सभी के लिए अवसरों को प्रोन्नत करता है।

नागरिकों की भागीदारी

इस संबंध में निर्णय में समावेश है कि समुदाय के संसाधनों को किस प्रकार आवंटित किया जायेगा।

सार्वजनिक सहभागिता

डिजाइन और नियोजन में इसका अर्थ है कि लोग अपने पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय कारक हैं।

ग्लोबल स्टूडियो, एलेक्जांड्रा टाउनशिप *जोहानेसबर्ग, दक्षिण अफ्रिका*

नये कौशल, नये कार्य का जनन, ग्लोबल स्टूडियोः प्रेमपुरा, *भोपाल, इंडिया*

> “सहभागितापूर्ण डिजाइन (और नियोजन) योजनाएं बनाते समय और शहरी अभिशासन में समानता और कार्यकुशलता हासिल करने की कुंजी है। डिजाइन और सहभागिता मिलकर स्थान की संसाधन क्षमता को मुक्त करते हैं और सभी की सहभागिता से अन्वेषण के अवसरों को बढ़ा देते हैं।”
>
> – uchy genhj *छोटा बदलाव, 2004*

कबाड़खाना के छात्रों के साथ कार्य, *भोपाल, इंडिया*

भोपाल के समुदाय के साथ डिजाइनरों का कार्य

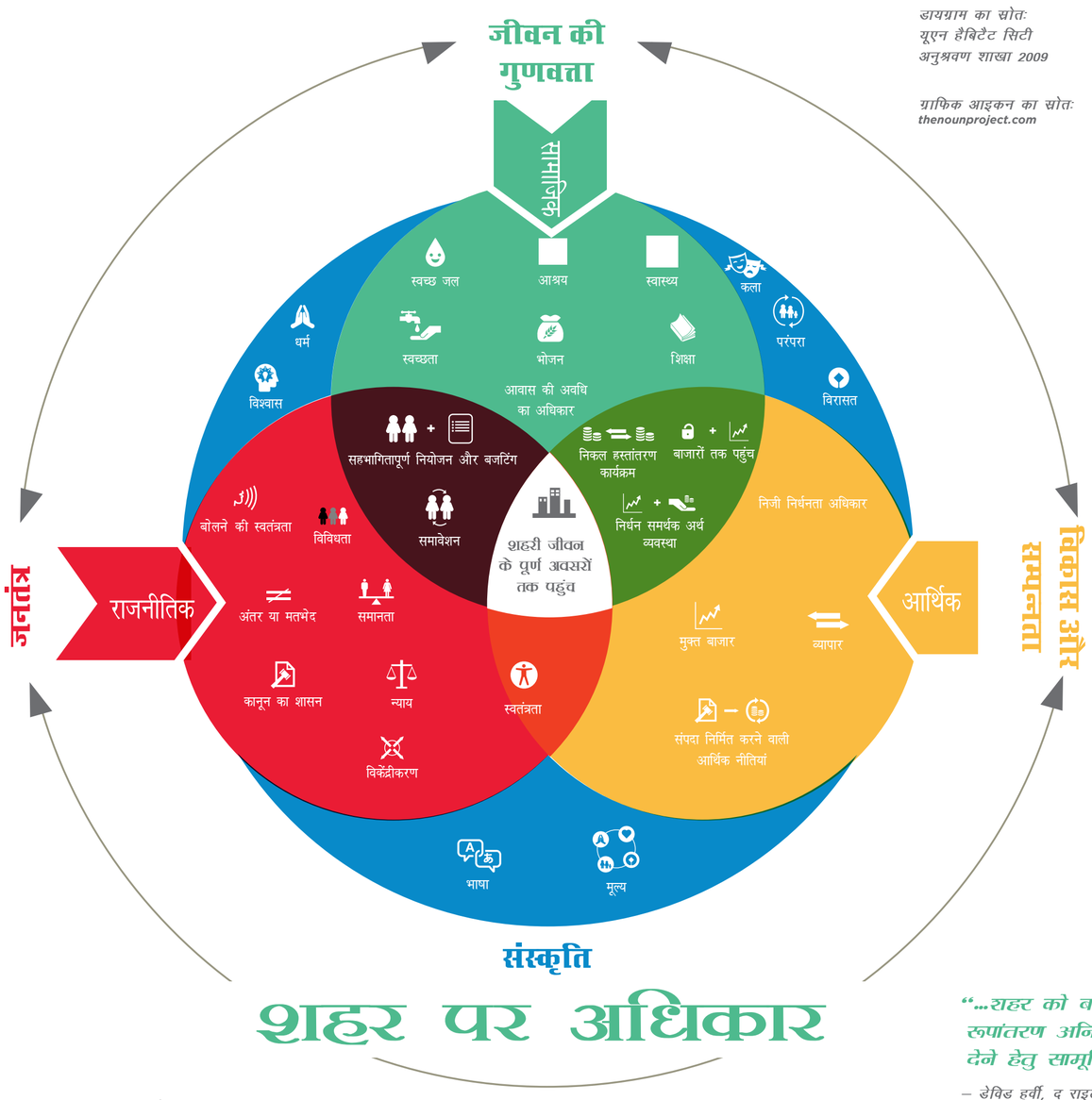

डायग्राम का स्रोतः यूएन हैबिटैट सिटी अनुश्रवण शाखा 2009

ग्राफिक आइकन का स्रोतः thenounproject.com

शहर पर अधिकार

“अधिकार आधारित दृष्टिकोण”

eb fno l 2012] Ýh ; fuof l Vh] *यूनियन स्क्वायर, न्यू यॉर्क, यूएसए*

“अधिकार आधारिता” मानव अधिकारों, सिद्धांतों, पर्यावरणगत टिकाऊपन, सामाजिक साम्यता, राजनीतिक सशक्तीकरण, आर्थिक समृद्धि और पुनर्वितरण पर बल देता है।

“अधिकार आधारित” समावेशपूर्ण मॉडल

1996 में स्थापित, शैक/स्लम डूवेलर्स इंटरनेशनल (एसडीआई) “अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमरीका के 33 देशों में शहरी निर्धनों के समुदाय आधारित संगठनों का एक नेटवर्क है। एसडीआई का मिशन भूमंडल के दक्षिण क्षेत्र के उन शहरी निर्धन समुदायों को जोड़ना है जिन्होंने सफल लामबंदी, एडवोकेसी और समस्या
समाधान रणनीतियां सफलता से विकसित की हैं। संस्था का मानना है कि शहरी निर्धनों के लिए शहरी विकास का प्रबंधन करने और समावेशपूर्ण शहरों का निर्माण करने का एकमात्र रास्ता यह है कि वे शहरी विकास की रणनीतियों के केंद्र में रहें।

स्रोतः एसडीआई वेबसाइट
अधिक जानकारी के लिए देखें: ***www.sdinet.org***

स्रोतः एसडीआई वेबसाइट

> ***“...शहर को बदल कर अपने को बदलने का एक अधिकार... यह रूपांतरण अनिवार्य रूप से शहरीकरण की प्रक्रियाओं को नया रूप देने हेतु सामूहिक शक्ति के उपयोग पर निर्भर करता है।***
>
> *– डेविड हर्वी, द राइट टु द सिटी, 2008*

अक्सर महिलाओं के प्रबंधन के अंतर्गत सामूहिक बचतें जनसंचालित विकास का मूल आधार होती हैं। भूमि उपयोग, सेवाओं, आवास और परिवारों का सामुदायिक मानचित्रण लोगों को लामबंद करने और सरकारों के साथ पैरवी करने का एक साधन है।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

ग्लोबल स्टूडियो

"शहरों को तब लाभ प्राप्त होता है जब लोग नगर की योजनाओं का अंग बनते हैं। सहभागितापूर्ण नियोजन शहरी संसाधनों का समतापूर्ण वितरण करके अमीरों और गरीबों के बीच की खाई को कम करने में मदद करता है... सामुदायिक सहभागिता शायद समान और समावेशपूर्ण शहरों के निर्माण का सर्वाधिक मूल आधार है... यह लोगों और स्थानीय सरकारों के बीच आदान-प्रदान का साधन तैयार करती हैं।"

– रेणुका खोसला, *क्योर, दिल्ली*

"विचारधाराओं और टेक्नालॉजियों का आयात करते समय सावधानी बरतें। विशेष संदर्भ का मूल्यांकन करें, स्थान के इतिहास को समझें और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त दृष्टिकोणों का उपयोग करें।"

– कैंपिनस, *ब्राजील का-जोनाथास द सिल्वा विश्वविद्यालय, 2012*

"सार्वजनिक सहभागिता अक्सर सहभागिता के सहकारी, आमंत्रित स्थानों तक सीमित रहती है; इसके अंतर्गत सहभागिता के अधिक टकरावपूर्ण अन्वेषित स्थान भी शामिल होने चाहिए जहां असंतोष और निराशा तथा नागरिकता के खतरनाक स्थान" हमें सीमांतीकृत निवासियों के सपनों और इच्छाओं के बारे में बताते हैं।

– क्लेरे बेनिट–*खोफाउ विट्स विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रिका, 2012*

"हम नागरिक भागीदारी को ताजा फैशन के रुझान के रूप में नहीं देख सकते। इसे पूरे डिजाइन कार्य के तानेबाने में बुना हुआ होना चाहिए, और स्पष्ट नैतिक मानकों तथा प्रोटोकाल्स के साथ विशेष पेशेवर कार्य के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। डिजिटल उपकरण और सामाजिक मीडिया लोगों को अपने जीवन का निर्माण करने वाले फैसलों में शामिल करने के लिए डिजाइन और जनतंत्र को एकीकृत करने के नये अवसर प्रदान करते हैं।"

– जेस जिम्बाबवे एंड ब्रयान बेल *डिजाइन कॉर्प्स, अमरीका, 2012*

डिजाइनर और योजनाकार शहरी समस्याओं को हल करने और बेहतर परिणाम प्रदान करने में सहायता करने के लिए किस तरह व्यक्तियों और समुदायों के साथ प्रभावकारी ढंग से कार्य करते हैं?

चित्र का स्रोतः ग्लोब स्टूडियो, जोहनेसबर्ग

ग्लोबल स्टूडियो समावेशन और शिक्षा

ग्लोबल स्टूडियो समावेशपूर्ण और समतापूर्ण शहरों को प्रोन्नत करने के लिए शहरी पेशेवर कर्मियों को शिक्षित करता है।

पीपल एज पार्टनर्स

वास्तु संबंधी तौर–तरीकों पर पुनर्विचार और शिक्षा

ग्लोबल स्टूडियो झोंपड़पट्टी निवासियों के जीवन में सुधार के लिए राष्ट्र संघ सहस्राब्दी परियोजना कार्यदल के नेतृत्व में 2004 में गठित एक डिजाइन और नियोजन विचार और कार्य तंत्र है।

भूमंडलीय स्टूडियो के प्रयासों का केंद्र अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयी है जिसके अंतर्गत पिछड़े समुदायों, गैर-सरकारी संस्थाओं और स्थानीय सरकारों के साथ कार्य करना शामिल है। ग्लोबल स्टूडियो ज्ञान के प्रसार और विभिन्न मंचों पर समझ को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मेलनों और सिंपोजियमों का आयोजन करता है।

अब तक इन प्रयासों में 66 यूनीवर्सिटीयों, 30 देशों और 10 अकादमिक विषयों के 600 सहभागी भाग ले चुके हैं।

इस्तांबूल (2005), बैंकूवर (2006), जोहनेसबर्ग (2007, 2008, 2009), भोपाल (2012)

theglobalstudio.com

lenk; iLrrhdj.k *जेरेक, इस्तांबुल, टर्की*

ßLoLFk 2kj¾LoLFk ykxÞ *विट्स विश्वविद्यालय सघन परिचर्चा, दक्षिण अफ्रीका*

lenk; lnªk ifj;kstuk] lkekftd inth dk fuek.k] *डिपस्लूट, दक्षिण*

cPpk }kjk ejy dk jxfp=.k] *जेरेक, इस्तांबुल, टर्की*

cPpk d: lkFk dk;] *अलेक्जांद्रा, दक्षिण अफ्रीका*

vkVl lVj iLrko] *डिपस्लूट, दक्षिण अफ्रीका*

Xykcy LVfM;k cidcj d: lgHkkxh] *बैंकूवर, कनाडा*

ihih, lvkj uDdM in'kuh] *बैंकूवर, कनाडा*

fuokfl;k lkdkr] *भोपाल, भारत*

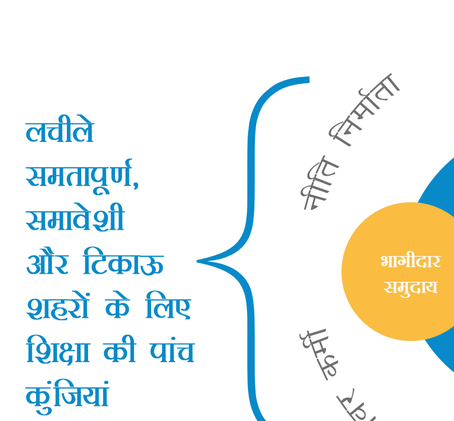

लचीले समतापूर्ण, समावेशी और टिकाऊ शहरों के लिए शिक्षा की पांच कुंजियां

कार्य नियोजन + भागीदारीपूर्ण जांच + नागरिक भागीदारी + ट्रस्ट (विश्वास)

ज्ञान और विचारों को कार्य में बदलना

सिद्धांत और प्राथमिकताएं

1. पिछड़े समुदायों के साथ कार्य करना और उनसे सीखना।
2. समुदाय-चालित बदलाव को सहायता प्रदान करने के लिए सहभागितापूर्ण डिजाइन और नियोजन कौशल विकसित करना।
3. सहभागियों का सशक्तीकरण करना; स्थानीय जरूरतों से चालित होना; सामाजिक उद्यमिता और की जा रही कार्रवाई को बढ़ावा देना।
4. समुदायों, स्थानीय शासन, संगठनों और आम लोगों को परिणाम संप्रेषित करना।
5. पेशेवर कर्मियों, शिक्षाविदों, छात्रों और समुदायों के भूमंडलीय नेटवर्क तैयार करना।
6. ज्ञान उत्पादन में योगदान करना, समुदायों और संस्थाओं के बीच संपर्क बनाना और नवीन प्रकार के सक्रियता आधारित समाधान प्रदान करना।
7. "नागरिक विद्वान" और "नागरिक पेशेवर कर्मी" के विकास को प्रोत्साहन।
8. सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों; विशेषकर "पर्यावरणगत टिकाऊपन" का कार्यान्वयन, "झोंपड़पट्टी वासियों के जीवन में सुधार लाना" और विकास का एक अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार करना।

कार्य नियोजन क्यों? क्योंकि ऊपर से नीचे की ओर के नियोजन और डिजाइन ने शहरी निर्धनों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान नहीं की। 21वीं सदी के पेशेवर कर्मियों को नये कौशलों की जरूरत है।

ऊपर से नीचे की ओर नियोजन पेशेवर कर्मियों को चालक के स्थान पर रखते हैं।

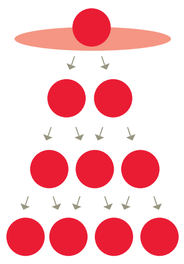

नीचे से ऊपर की ओर नियोजन इसको उलटा करता है और पेशेवर विशेषज्ञता के लाभ प्राप्त नहीं करता।

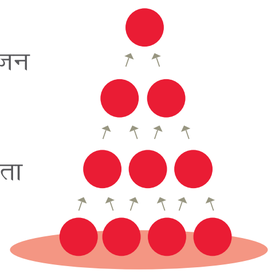

बहुविषयी कार्यदलों में मिलकर काम करने से ऊपर से नीचे वाले दृष्टिकोण का संपर्क नीचे से ऊपर वाले दृष्टिकोण से होता है। प्रभावकारी कार्य-नियोजन संभव होता है।

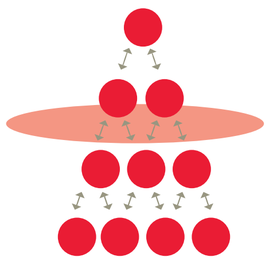

कार्य नियोजन नये अवसर प्रदान करता है। समुदायों के साथ कार्य करना सीखने की शुरूआत यूनीवर्सिटीयों में होनी चाहिए।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

ग्लोबल स्टूडियो का दृष्टिकोण

सहभागितापूर्ण प्रक्रिया अपनाकर, डिजाइन पेशेवरकर्मी समुदायों के साझेदार बन सकते हैं।

कार्य नियोजन, सहभागितापूर्ण तौर-तरीके और साझेदारी निर्मित करने के लिए अपने को विशेष संदर्भ के अनुकूल ढालते हुए ग्लोबल स्टूडियो छात्रों, अकादमिक जगत के सदस्यों, शहरी विकास कर्मियों और समुदाय - साझेदारों के साथ मिलकर तैयार की गई व्यापक प्रक्रिया अपनाता है।

देखो, सुनो और पूछो

लोग जहां रहते हैं उसके बारे में क्या पसंद/नापसंद करते हैं?

उनके जीवन में क्या सुधार लायेगा?

कौन से भौतिक परिवर्तन उनके जीवन में सुधार लाने में मदद करेंगे?

राजनीतिक, विकासगत और ऐतिहासिक संदर्भ क्या है?

क्या समुदाय के पास भविष्य के लिए कोई दूरगामी लक्ष्य या विजन है?

और

क्या परियोजना क्षमता का निर्माण करेगी?

क्या वह आय जनन करेगी या नये रोजगारों का निर्माण करेगी?

क्या इससे समुदाय का आत्म-विश्वास बढ़ेगा?

क्या इससे साझेदारी बनेंगी?

क्या लोग यही चाहते हैं?

क्या डिजाइन अंतर ला सकती है?

कोई भी परियोजना बहुत छोटी नहीं होती।

एक आकार सभी के लिए उपयुक्त नहीं होता।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

केस स्टडी 1

गैर लाभकारी: **ग्लोबल स्टूडियो**
परियोजना: **समावेशपूर्ण नगर केंद्र**
स्थान: **भोपाल, भारत**
अवधि: **3 सप्ताह, 2012**

पुराने और नये शहरों को पुनः जोड़ें

तीव्र शहरीकरण के साथ विरासत का सामंजस्य

अपनी झीलों और पर्वतों के लिए जाने-माने भोपाल की जनसंख्या लगभग 18 लाख है। शहर के पुराने और नये क्षेत्रों को एक संकरा, भीड़भाड़ वाला भूक्षेत्र अलग करता है। भोपाल के नागरिकों की भागीदारी के साथ इस परियोजना ने पुराने शहर की वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए इन दो क्षेत्रों को आपस में जोड़ने की छानबीन की और सामने की ओर झील वाले सार्वजनिक स्थान को विकसित करके अधिक समावेशपूर्ण नगर केंद्र बनाने का प्रयास किया।

प्रक्रिया और परिणाम

आरंभिक कार्य में आगे शोध और कार्य के तीन विषयों की पहचान की गई।

एक जीवंत विरासत: वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत का महत्व समझना।

एक जन मैत्रीपूर्ण शहर: जन आधारित डिजाइन और नियोजन का महत्व समझना।

समुदाय की आवाज: समुदाय सहभागिता सहित सरकारी निर्णय प्रक्रिया में नागरिकों के विचारों को प्रोत्साहन।

हमारी प्रक्रिया

1. समझना, दस्तावेजीकरण करना, विश्लेषण करना

पुराने बनाम नये शहर के बारे में आम लोगों की राय पर नजर रखना।

स्थलाकृति विज्ञान (टोपोग्रैफी), आकृति विज्ञान, भूमि उपयोग, स्थानीय इतिहास, समुदाय मनोरंजन

स्थानों, पैदल यात्रियों और वाहनों के आने जाने का दस्तावेजीकरण।

पूछना, "आप कब-कब झील देखने आते हैं?" "आप यहां कैसे आते हैं?" "मुख्य चिन्ह" कहां हैं?

समुदाय के नेताओं, स्थानीय साझेदारों की पहचान करना।

2. स्थानीय समुदाय को शामिल करना

झील के सामने परी घाट पर "हम भोपाल हैं" सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करना।

भ्रमण, फोटोग्राफी, फिल्म आदि के माध्यम से समुदायों को उनके इतिहास और विरासत से पुनः अवगत कराना।

जानकारी के आदान-प्रदान को सुगम बनाना और सार्वजनिक परियोजनाओं पर जनमत का पता लगाना।

प्रस्तावित मास्टर प्लान के बारे में आम लोगों की राय को जानना और परी घाट पर हस्तक्षेपों को डिजाइन करना।

3. सघन चर्चा करना, योजना और डिजाइन बनाना

"हम भोपाल हैं" के निष्कर्षों को मास्टर प्लान और परी घाट डिजाइन में शामिल करना।

4. सार्वजनिक संस्थाओं को शामिल करना

भोपाल नगर निगम और पर्यटन मंत्रालय, म.प्र. के साथ डिजाइन प्रस्तावों पर चर्चा करना।

नयी शक्ति का संचार *सांस्कृतिक विरासत*

शहर को जोड़ना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल पहुंचाना

पुराने भोपाल शहर के लिए एक दीर्घकालिक विजन और प्रबंधन योजना में प्रस्तावित किया गया है।

ऐतिहासिक केंद्र को विरासत क्षेत्र का नाम देना, और महत्वपूर्ण इमारतों के लिए प्रबंधन योजना तैयार करना।

उन मुख्य स्थलों की पहचान करना जिन्हें विरासत की दृष्टि से जोड़ा जा सके।

विरासत क्षेत्र में सुरक्षित रूप से और आसानी से जाने के लिए पैदल चलने वालों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाना।

एक पर्यटन केंद्र के रूप में और नये सामाजिक-आर्थिक विकास के वाहक के रूप में विरासत क्षेत्र का विकास करना।

विरासत परिसंपत्तियों का प्रबंधन

सरकार द्वारा खाली की गई ऐतिहासिक इमारतों के नये उपयोग को देखते हुए, अपेक्षा की वजह से इमारतों के क्षरण और ढहाये जाने से बचने के लिए सदर मंजिल में एक नया समुदाय परामर्श केंद्र बनाना प्रस्तावित है। यह स्थानीय समुदायों, नागरिकों और संस्थागत निकायों के बीच शहर के बारे में विचारों के संचार और आदान-प्रदान के स्थान का कार्य करेगा।

HERITAGE TRAILS

1. To Kamla Park
2. To Old City through Pari Ghat
3. To Hospital and Fort
4. To Mosque and Taj Mahal Precinct

KEY SITES

- Significant Hub
- Hospital
- Library
- Mosque
- Temple
- Parking
- Chowk Bazaar
- Royal Enclave
- Old Fortification

INFRASTRUCTURE

- Pedestrian Pathway
- Pedestrian Crossing
- Floating Walkway
- High Frequency Transport
- BRTS Route
- Ferry Route
- Potential Bridge Link

HERITAGE

- Heritage Precinct
- Significant Heritage Buildings

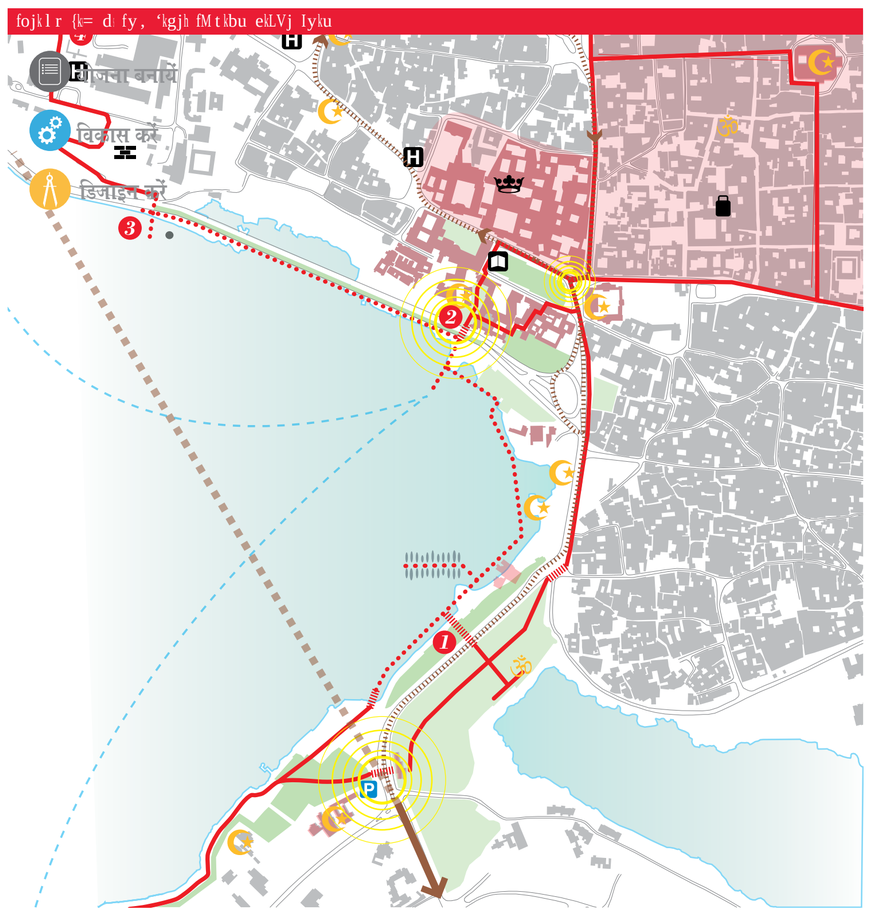

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

केस स्टडी 1

गैर लाभकारी: ग्लोबल स्टूडियो
परियोजना: समावेशपूर्ण नगर केंद्र
स्थान: भोपाल, भारत
अवधि: 3 सप्ताह, 2012

सार्वजनिक स्थानों का निर्माण करें

'आम' जनों के लिए दो प्रस्ताव

पैदल यात्रियों और साइकल चलाने वालों के लिए मैत्रीपूर्ण झील का अग्र भाग

पक्का पैदल मार्ग

पैदल चलने वालों को झील के अग्र भाग तक सुरक्षित पहुंच उपलब्ध कराता है?

स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी लाभः पैदल चलने वालों के लिए साफ हवा; पानी साफ करने वाले पौधे।

तैरते पीपे

पैदल चलने वालों की भीड़भाड़ की समस्या को हल करना

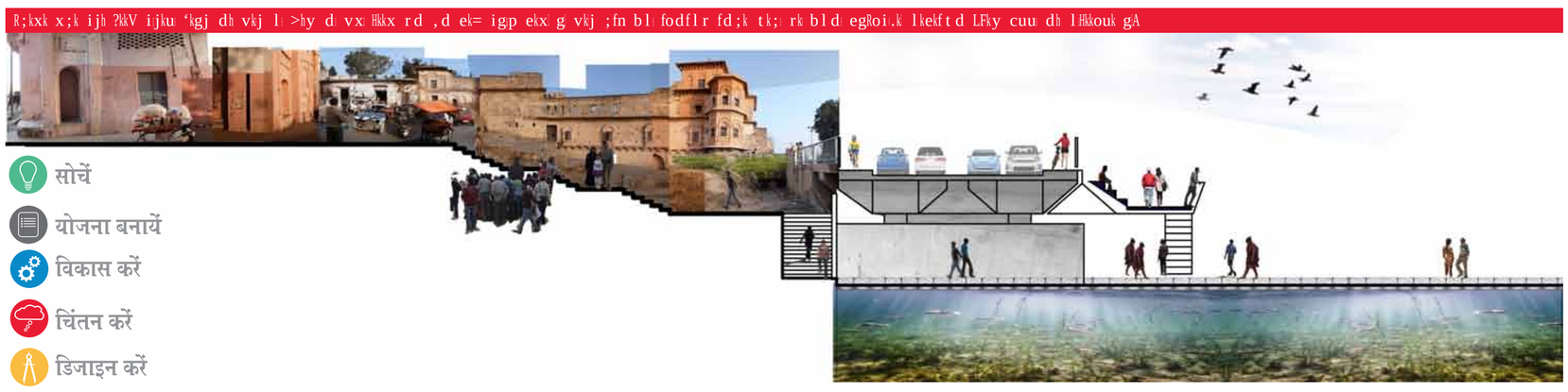

परी घाट पार्क

परी घाट पर सार्वजनिक पार्क सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणगत अवसर प्रदान करता है; बच्चों के लिए खेलने के स्थान, रचनात्मक और व्यावसायिक कार्यकलापों की व्यवस्था करता है; शहरी कृषि के अवसर प्रदान करता है।

एक सार्वजनिक गंतव्य स्थल बनने की संभावना के साथ भोपाल के पुराने और नये क्षेत्रों के बीच "सामाजिक सेतु" के रूप में परी घाट पर ध्यान आकर्षित किया जाये।

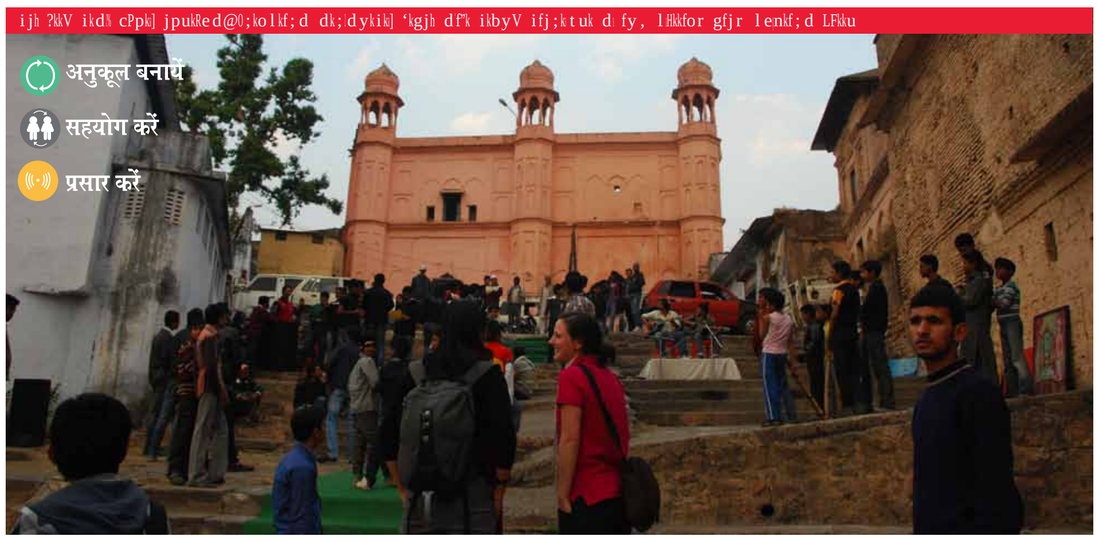

लोगों को आवाज दें

परी घाट पर ''हम भोपाल हैं'' उत्सव

"हम भोपाल हैं" ग्लोबल स्टूडियो द्वारा आयोजित कार्यक्रम था जिसने यहां के निवासियों को आपस में जोड़ा। इस कार्यक्रम ने ग्लोबल स्टूडियो को अपने शहरी डिजाइन प्रस्तावों को प्रस्तुत करने और उन पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

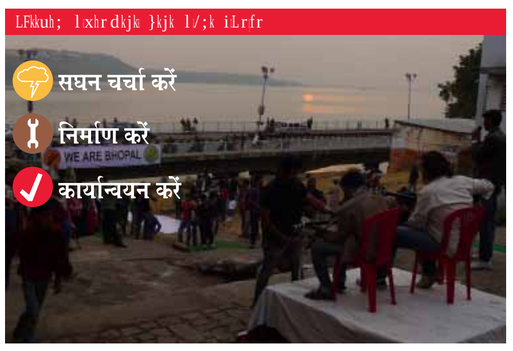

समुदाय को भागीदार बनाना

इस उत्सव ने झील के अग्र भाग और परी घाट के लिए मास्टर प्लान को स्थानीय समुदाय और दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने का और उनसे प्रतिक्रिया प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। बच्चों, युवाओं और वयस्कों को प्रोत्साहित किया गया ताकि वे इस घाट के बारे में अपनी संकल्पना को प्रस्तुत करें।

मुद्दों का पता लगाने और लोगों को भागीदार बनाने के लिए कार्य और शोध का उपयोग करें।

स्थानीय विशेषज्ञों से परामर्श करें

लोगों तक पहुंच को बढ़ाने और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए सामाजिक मीडिया का उपयोग करें।

सार्वजनिक कार्यक्रम की व्यवस्था की जाये जो समुदाय परामर्श का मंच प्रदान करता है।

स्थानीय समुदाय के सामने परिणाम प्रस्तुत करें।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

केस स्टडी 2

गैर लाभकारी: **ग्लोबल स्टूडियो**
परियोजना: **कबाड़खाना का अड़ौस-पड़ौस**
स्थान: **भोपाल, भारत**
अवधि: **3 सप्ताह, 2012**

समुदाय की क्षमता का पता लगायें

झोंपड़पट्टी-मुक्त कबाड़खाना

कबाड़खाना पुराने यूनियन कार्बाइड कीटनाशक कारखाने के निकट शहर के भीतरी क्षेत्र में स्थित इलाका है। 3 दिसंबर 1984 को जब कारखाने से विषैली गैस निकलकर सड़कों और मकानों के बीच फैली तो 2,500 लोग मृत्यु के शिकार हुए। 500,000 से अधिक निर्धन लोग प्रभावित हुए। आज भी यहां की प्रदूषित जमीन भूमिगत जल पास के समुदायों को प्रभावित कर रही है। नई झोंपड़पट्टी-मुक्त (आरएवाई)'' नीति के कबाड़खाना क्षेत्र में कार्यान्वित किये जाने की संभावना है।

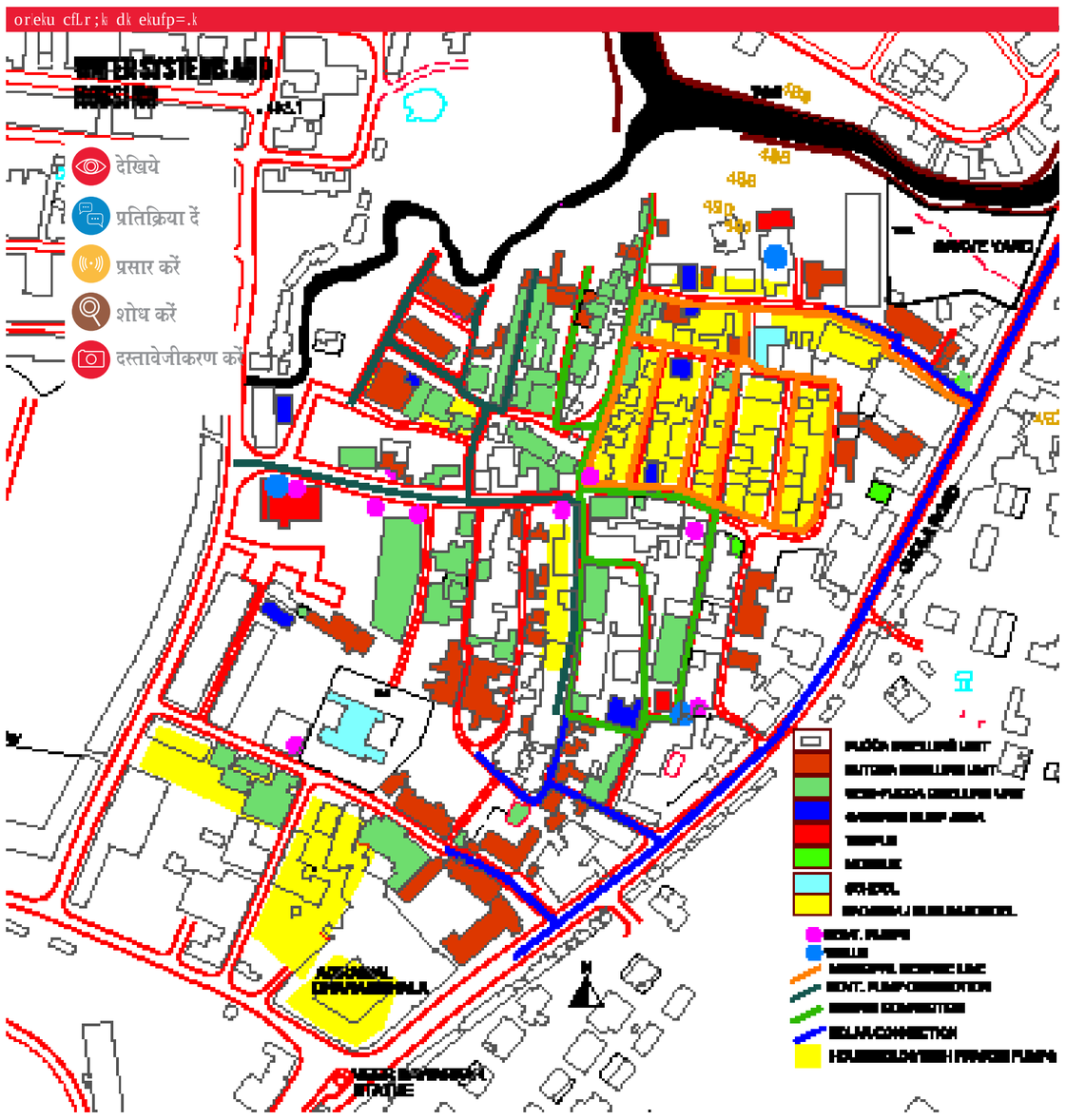

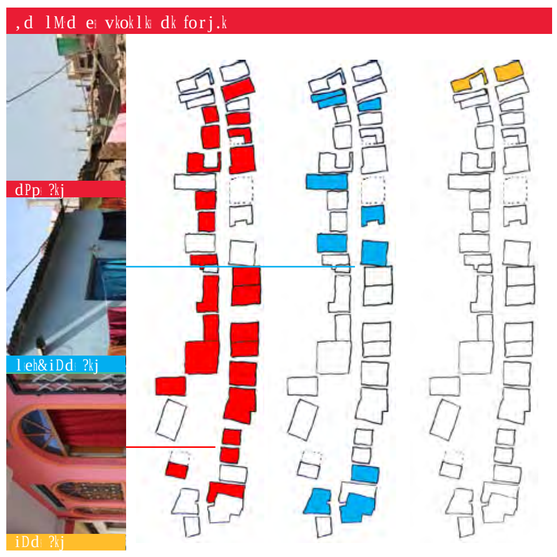

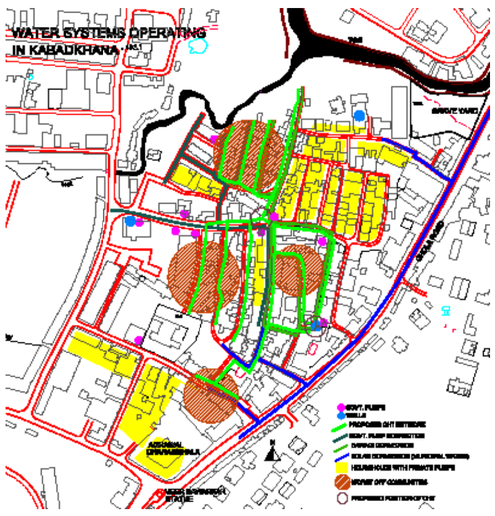

समुदाय की अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) को समझना

वर्तमान जल आपूर्ति और आवास की स्थिति का मानचित्रण करें।

यह समझना और यह दस्तावेजीकरण करना कि स्थान का उपयोग कैसे किया जाता है और किस प्रकार स्थान सामाजिक कार्यकलापों के लिए इस्तेमाल होता है। समुदाय का जीवन आवास की स्थितियों में स्थान आधारित सुधार का अभिन्न अंग है।

संबंधी विकल्पों को रूपांकित करें

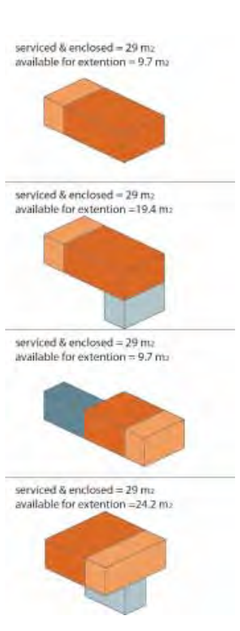

आवास संबंधी जरूरतें - "बड़ी तस्वीर" डिजाइन के विकल्प

वर्ष २०१७ तक भारत में शहरी आवास कभी १५ मिलियन इकाइयों तक पहुंच सकती है - इनमें से ८० प्रतिशत अत्यधिक भीड़भाड़ का परिणाम है। इस कमी की पूर्ति नये आवासों का निर्माण करके की जा सकती है। ऐसा लगता है कि सरकार के कार्यक्रम, राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिषन (जेएनएनयूआरएम) और झोंपड़पट्टी- मुक्त षहर (आरएवाई) डेवलपरों द्वारा चालित "एक आकार सभी आवासीय ब्लॉक्स के लिए उपयुक्त रहेगा" को पसंद करते हैं।

सरकारी आवास टाइपोलॉजी के प्रभाव को समझने के लिए ग्लोबल स्टूडियो ने पड़ौस की मद्रासी कॉलोनी के चार मंजिला ब्लॉक के निवासियों को लेकर एक अध्ययन किया। इसके बाद छात्रों ने एक वैकल्पिक डिजाइन तेयार किया। इस डिजाइन में चार मंजिला ब्लॉकों की बजाय एक वृद्धिमान और इनफिल आवास विकास प्रस्तावित किया जो कबाड़खाना के स्थानीय निवासियों की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों के अनुरूप हो और जिसके अंतर्गत सड़क तथा घर के बीच महत्वपूर्ण संपर्क हों।

__राजीव आवास योजना__ या झोंपड़पट्टी-मुक्त शहर नीति (2011) का उद्देश्य वर्तमान झोंपड़पट्टियों को औपचारिक प्रणाली में शामिल करके और झोंपड़पट्टियों तथा शहरी भूमि में कमी के मुद्दों को हल करके एक झोंपड़पट्टी-मुक्त भारत का निर्माण करना है।

वर्ष 2005 __जेएनएनयूआरएम__ की स्थापना सामाजिक और आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार लाकर भारतीय शहरों का आधुनिकीकरण करने के लिए की गई थी। इसका उद्देश्य शहरी निर्धनों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करना और नगरपालिका अभिशासन को मजबूत बनाने के लिए शहरी क्षेत्र में सुधार लाना भी है।

हमारी प्रक्रिया

1. समझें, दस्तावेजीकरण करें, विश्लेषण करें

सड़कों पर लोगों से बात करें।

वास्तविकता को जानने के लिए आस-पड़ौस में लोगों से मिलें।

स्थानीय समुदाय के हितधारकों और अग्रणी लोगों की पहचान करें।

समुदाय के विभिन्न हितधारकों और शहर प्रशासन के साथ छोटी-छोटी बैठकें आयोजित करें।

प्रश्न पूछें, अवलोकन करें, नोट्स लें, सुनें और लोग जो असल में कहना चाहते हैं उसे भी सुनें।

निर्मित वातावरण और समुदाय के मुद्दों पर आपने जो देखा उसका दस्तावेजीकरण करें।

2. समुदाय के बीच विश्वास कायम करें

अलग-अलग हितधारक समूहों से जानकारी का आदान-प्रदान करें।

समस्याओं, मुद्दों और संभावित योजनाओं पर प्रतिक्रिया प्राप्त करें।

समुदाय के विजन के लिए सिद्धांतों पर सहमति को सुगम बनायें।

3. सघन परिचर्चा, योजना और डिजाइन

यह विचार करें कि अलग-अलग प्रकार के विचारों का कैसे सामंजस्य बिठाया जा सकता है, कार्रवाइयों का कैसे प्राथमिकीकरण किया जा सकता है।

स्थानीय संसाधनों, परिसंपत्तियों और समुदाय की क्षमताओं को समझें।

4. समुदाय के साथ साझेदारी में सुधार लायें

स्थानीय बच्चों और निवासियों के साथ स्कूल के अहाते और खुले स्थान की सफाई करें।

5. दीर्घकालिक सुधार जिनके लिए वित्तपोषण और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है

खुले स्थान में सुधार, सुरक्षित जल आपूर्ति और आवास के समाधानों के लिए प्रस्तावों पर विचार-विमर्श करें।

यह शोध करें कि समुदाय, शैक्षिक लोगों, सरकार और एनजीओज के बीच साझेदारियां परियोजनाओं को अमल में उतार सकती है।

समुदाय के साथ ज्ञान को बांटें।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

केस स्टडी 2

गैर लाभकारी: **ग्लोबल स्टूडियो**
परियोजना: **कबाड़खाना का अड़ौस-पड़ौस**
स्थान: **भोपाल, भारत**
अवधि: **3 सप्ताह, 2012**

वृद्धिमान रूप से उन्नत करना

छोटा बदलाव-बड़ा अंतर। छोटी, वृद्धिमान परियोजनाएं समुदाय के कल्याण में और बेकार पानी के प्रबंधन, सफाई, उन्नतीकरण और खुले स्थानों को आपस में जोड़ने तथा बच्चों के लिए झूले आदि लगाने सहित भौतिक वातावरण में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती हैं।

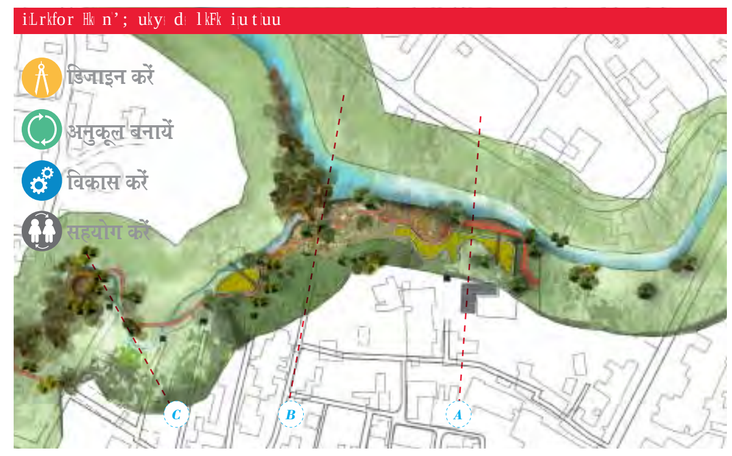

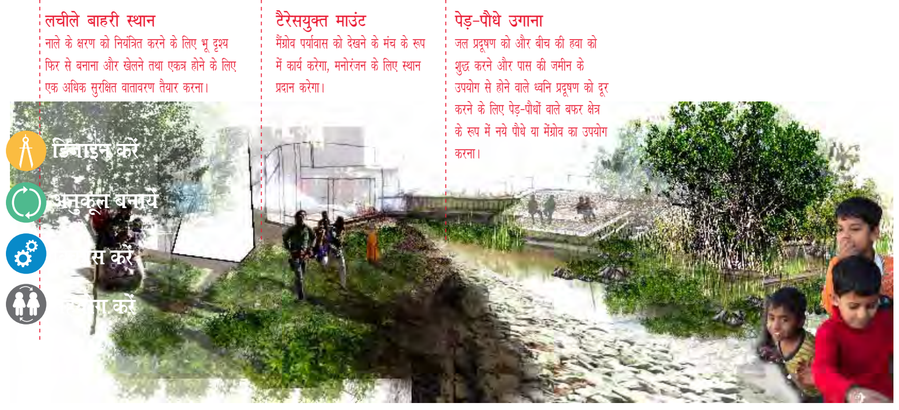

कबाड़खाने का बेकार पानी खुले सीवर में गिरता है और फिर उत्तर में एक बड़े नाले में प्रवाहित होता है। पड़ौस में खुली नालियां ही कुछ खुले स्थान संसाधन हैं और स्वास्थ्य के लिए प्रमुख चिंता का विषय है।

एक डिजाइन अध्ययन ने यह समझने में मदद की कि किस तरह नाले और उसमें बहने वाली नालियों को सुलभ सार्वजनिक साधन प्रदान करते हुए बेकार पानी को साफ करने के संसाधन के रूप में किया जा सकता है।

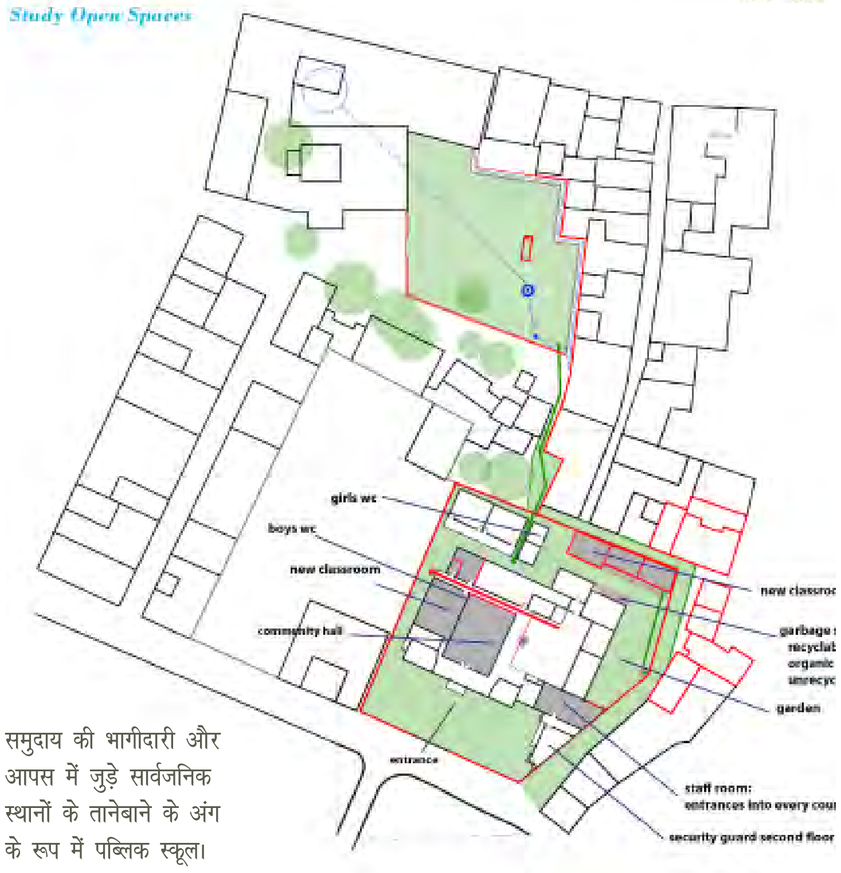

समुदाय की भागीदारी और आपस में जुड़े सार्वजनिक स्थानों के तानेबाने के अंग के रूप में पब्लिक स्कूल।

शोध आयोजित करना

शोध समूहों ने सभी परियोजनाओं के लिए डिजाइन और नियोजन टीमों को आवश्यक डाटा प्रदान किया।

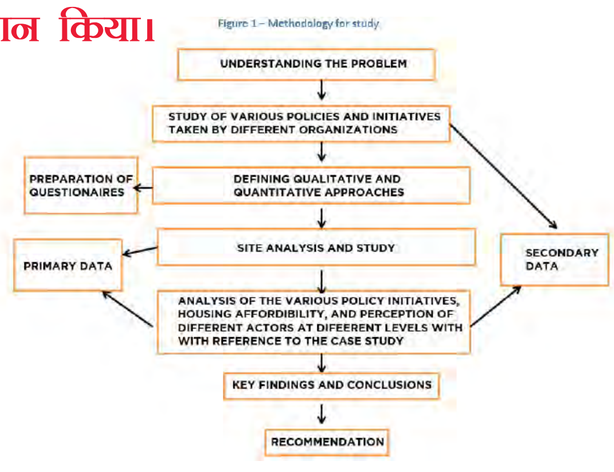

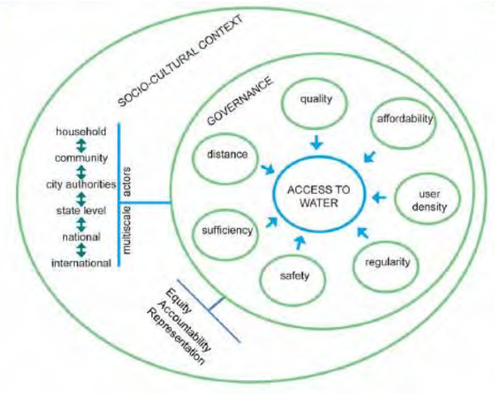

शोध रिसोर्टों को theglobalstudio.com पर प्राप्त किया जा सकता है।

'शहरी निर्धनता और झोंपड़पट्टी-मुक्त शहर'
'संचार और यूनियन कार्बाइड'
'जल सुलभता और शहरी निर्धन'

निम्न लागत वाली आवास व्यवस्था के लिए टोपोलॉजीज की यथास्थिति पर सवाल करें।

बड़ी तस्वीर और स्थानीय विशेषताओं पर ध्यान दें।

अधिकारियों को विकल्प प्रदान करें।

स्थानीय आवासियों के साथ उनके मुद्दों पर काम करें।

समस्याएं और समाधान "या तो यह या वह नहीं होते।" कभी-कभी समस्याएं और समाधार दोनों हो सकतें हैं।

झोंपड़पट्टी को सुधार की काफी जरूरत हो सकती है और उसके अपने लाभ भी हो सकते हैं। इस पर विचार करें।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

केस स्टडी 3

गैर लाभकारी: **ग्लोबल स्टूडियो**
परियोजना: **समावेशपूर्ण प्रेमपुरा स्कूल**
स्थान: **भोपाल, भारत**
अवधि: **3 सप्ताह, 2012**

आत्मविश्वास और समुदाय का निर्माण करें

स्कूल में सुधार द्वारा क्षमता-निर्माण

प्रेमपुरा भोपाल के बाहर शहरी ग्राम है जिसकी आबादी 3000 है। यहां लगभग आधे आवास "अनौपचारिक" है और कई घरों में साफ-सफाई की सुविधा नहीं है। दो कमरों वाले प्रेमपुरा पब्लिक स्कूल में गांव के निर्धन बच्चे पढ़ते हैं। एक एनजीओ, मुस्कान यहां कथा-वाचन कार्यक्रम चलाता है और माताएं स्कूल के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं।

lQkb d cán Ldy dk enku

स्कूल का इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं

प्रेमपुरा पब्लिक स्कूल में न शौचालय है, न डेस्क हैं और न ही कुर्सियां हैं। बिना पेड़ वाला "खेल का मैदान" खुले शौच की और कूड़ाकरकट डालने की जगह बन चुका है। यहां गुंडागर्दी होती है और स्कूल के सामान की चोरी तो आम बात है। यहां स्थिति में सुधार के लिए स्कूल के बच्चों, शिक्षकों, मातापिता और गांव वालों के साथ सहभागी डिजाइन प्रक्रिया के माध्यम से एक विजन उभर कर आया।

lenk; dh lk>nkjh e vYidkfyd LFky :ikrj.k

Ldy vkj lkenk;d t:jr dk feyku dh LFky ;kstuk

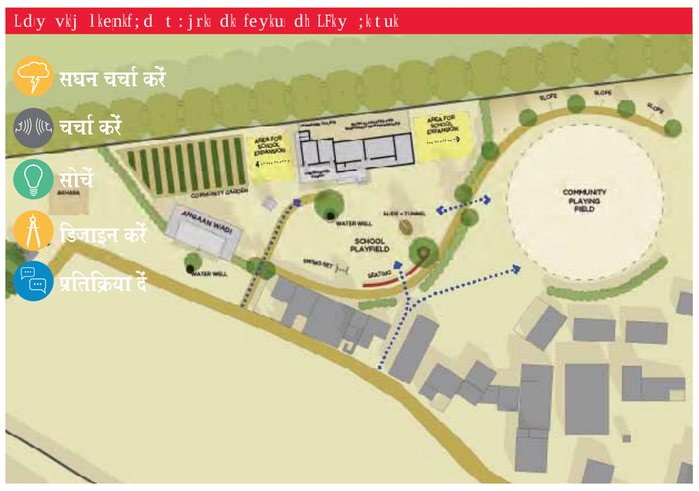

LFkkuh; efgyk vkj cPp lkFk&lkFk iV dj jgs gA

fMtkbu i'koj dfe;k }kjk cPpk d lg;kx l d;k

cPpk d fy, pkd ckM

lkenkf;d cxhp d fy, iLrko

cPpk d [ky d enku d fy, iLrko

प्रक्रिया और परिणाम

ग्लोबल स्टूडियो ने तात्कालिक और दीर्घकालिक व्यवहार्यता के आधार पर परियोजनाओं का प्राथमिकीकरण किया। उसने बच्चों को अपने स्वास्थ्य पर्यावरण और शिक्षा में सुधार की परियोजनाओं के कार्य में शामिल करने के लिए खेलों सहित नये प्रकार के तरीके विकसित किये।

साइट प्लान में यह प्रस्तावित किया गया है कि स्कूल और समुदाय शेड, शौचालयों और सामुदायिक बगीचे वाले एक नये सार्वजनिक खुले स्थान का मिलजुल कर उपयोग करेंगे।

i;koj.k dk l/kkju e fo|ky; vkj lenk; dk dk;

हमारी प्रक्रिया

1. समझना, दस्तावेजीकरण और विश्लेषण करना

समुदाय के विभिन्न हितधारकों के साथ छोटी-छोटी बैठकें आयोजित करें।

प्रश्न पूछें, देखें, नोट्स लें, सुनें और अनकही बातो को भी सुनें।

पर्यावरणगत, शैक्षिक और सामुदायिक मुद्दों का दस्तावेजीकरण करें।

स्कूल और समुदाय की परिसंपत्तियों/ कमियों की पहचान करें।

2. समुदाय के साथ विश्वास बनायें

विभिन्न हितधारक समूहों की जानकारी बतायें।
समस्याओं, मुद्दों और संभावित योजनाओं पर प्रतिक्रिया प्राप्त करें।

एक सामुदायिक दूरदृष्टि के लिए सिद्धांतों को लेकर सहमति बनायें।

3. सघन परिचर्चा, योजना और डिजाइन

इस बात पर विचार करें कि विभिन्न विचारों को कैसे समायोजित करना है और कार्यों का प्राथमिकीकरण करना है।

स्थानीय संसाधनों, स्कूल की परिसंपत्तियों और समुदाय की क्षमताओं को समझें।
तत्काल और दीर्घकालिक सुधार प्रस्तावित करें।

4. समुदाय के साथ साझेदारी में सुधार लायें

बच्चों और युवाओं द्वारा वृक्षारोपण।
बच्चों द्वारा शिक्षा म्यूरल्स (दीवार चित्रों) की पेंटिंग करना।

समुदाय के युवाओं द्वारा स्कूल के अहाते की स्लाइड बनाना।

छात्रों के बैकपैक के लिए प्रोटोटाइप

5. दीर्घकालिक सुधार जिनके लिए पैसे की जरूरत है

स्कूल के शौचालयों; स्थान के उन्नतीकरण, छात्रों के बैकपैक के विनिर्माण के लिए प्रस्तावों पर विचार करें।

यह शोध करें कि समुदाय, शिक्षाविदों, सरकार और एनजीओ के बीच साझेदारियां परियोजनाओं को अमल में उतार सकती हैं।
समुदाय के साथ ज्ञान को बांटें; संभावित विकास कार्यकर्ताओं को प्रस्ताव प्रसारित करें।

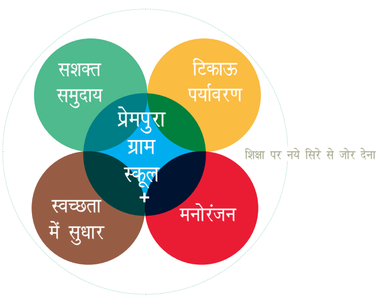

हमारे प्रस्ताव निम्नलिखित चार समूहों में विभाजित हैं। फिर उन्हें अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों के रूप में चिन्हित किया गया है।

महिलाओं के लिए अवसरों का निर्माण

flykbZ lLFkk d fuek.k e ieijk dh ekrk, yxh

समुदाय की भागीदारी

प्रेमपुरा के कई निवासी बेरोजगार हैं। यहां स्थानीय महिलाओं ने स्कूल में सिलाई कार्यशाला शुरू की। ग्लोबल स्टूडियो के सहभागी इन महिलाओं से मिले ताकि उन्हें जानकारी दे सकें और कक्षाएं शुरू करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करें और उन्होंने कक्षा को पढ़ाने के लिए कौशलयुक्त स्थानीय महिला का चयन किया ओर दूसरी महिला को कोषाध्यक्ष बनाया। वे सभी कक्षा की फीस आदि पर सहमत थीं और मिलजुल कर उन्होंने दो सिलाई मशीनें खरीदीं।

इस पहलकदमी के अंतर्गत यह स्वीकार किया गया कि महिलाओं के सशक्तीकरण, बच्चों के कल्याण और समुदाय को एक महत्वपूर्ण कड़ी जोड़े हुए है। यह स्कूल समुदाय के विकास के लिए अनेक कार्यकलाप चलाने में समर्थ है।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

केस स्टडी 3

गैर लाभकारी: **ग्लोबल स्टूडियो**
परियोजना: **समावेशपूर्ण प्रेमपुरा स्कूल**
स्थान: **भोपाल, भारत**
अवधि: **3 सप्ताह, 2012**

स्कूल के मैदान को काम के योग्य बनाना

स्कूल के मैदान की सफाई और वृक्षारोपण

समुदाय के इन सदस्यों को लामबंद करना जो स्कूल मैदान की मौजूदा स्थिति से असंतुष्ट हैं। सफाई और कचरे को पुनः कार्य में लाने के कार्य को शैक्षिक खेल में बदलते हुए यह बताया गया कि शिक्षक और मातापिता इसे दोहरा सकते हैं। बच्चों ने "भूमंडल संरक्षकों" के रूप में अपनी भूमिका अपनाई और उन्हें सफाई के बाद भूमंडल संरक्षण बैज प्रदान किये गये।

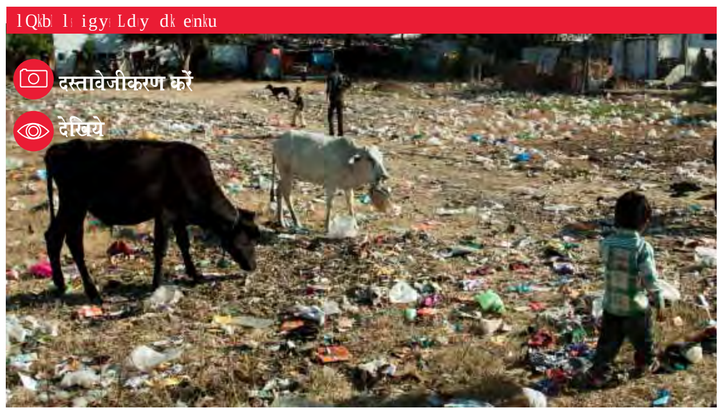

ग्लोबल स्टूडियो, स्कूल और समुदाय के लोगों ने साफ किये गये स्थान को विकसित करने के लिए उत्साह से विचारों का आदान-प्रदान किया। बच्चों द्वारा प्रदान की गई राय को आधार बनाते हुए इस स्थान के उपयोग के संबंध में सिद्धांतों पर सहमति हुई। एक महत्वाकांक्षी नवीकरण योजना के रूप में शुरू किया गया वृक्षारोपण कार्य बच्चों की दूरदृष्टि चित्रणों पर आधारित था।

एक इच्छा वृक्ष

किसी भी परियोजना की सफलता के लिए यह जरूरी है कि उसका स्वामी समुदाय हो। ग्लोबल स्टूडियो ने सभी को बेहतर प्रेमपुरा के लिए अपनी कामना या अभिलाषा लिखने को कहा।

युवाओं द्वारा खोदे गये एक गड्ढे में बच्चो की पसंद के हिसाब से आम का एक पेड़ रोपा गया। यह एक अधिक हरियाली भरे भविष्य का प्रतीक था जिसको जीवित रखने के लिए प्रतिबद्धता की जरूरत थी। यह इच्छा – वृक्ष बच्चों और समुदाय को सामाजिक स्थान प्रदान करने की दिशा में पहला कदम था।

व्यावहारिक समाधान तैयार करना

कक्षा में मेज-कुर्सी न होने की वजह से बच्चों को फर्श में झुक कर कापियों में लिखना पड़ रहा थां ग्लोबल स्टूडियो ने इसे देखा और जरूरत के हिसाब से कार्य किया। एक स्थानीय दस्तकार ने एक छोटे स्टूल वाला हल्का बैकपैक बनाया। यह स्टूल किताबों के रखने का स्थान, और जेब में रखी जा सकने वाली 'लिखने की टेबल' बन सकता है। इसने कई समस्याओं को सुलझा दिया।

स्कूल बैग लेखन मंच

एक कम लागत वाले बैकपैक ने जो लिखने का डेस्क और सीट दोनों का काम करता है, डेस्क और कुर्सी के अभाव की समस्या को हल कर दिया।

- बच्चों को भागीदार बनाने के लिए बाल-केंद्रित दृष्टिकोण अपनायें
- "समस्या वाले" हितधारकों को शामिल करें।
- तत्काल कुछ बदलाव लायें
- मध्यकालिक और दीर्घकालिक संभावनाओं के बारे में बतायें।
- स्कूल और समुदाय के लिए क्या लाभ हैं, यह बतायें
- काम को आगे बढ़ाने के लिए नई साझेदारियां खोजें।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

केस स्टडी 4

गैर लाभकारी: **ग्लोबल स्टूडियो**
परियोजना: **समावेशपूर्ण डिपस्लूट**
स्थान: **जोहनेसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका**
अवधि: **2007-कार्य जारी है**

तीन नगरों में भागीदारी

वर्ष 2007 में ग्लोबल स्टूडियो ने अलेक्जांड्रा, डिपस्लूट और मार्शलटाउन में सहभागी कार्य नियोजन के लिए विट्स विश्वविद्यालय और जोहनेसबर्ग नगर के साथ साझेदारी की। 2008–2009 में ग्लोबल स्टूडियो ने क्षमता-निर्माण, स्थानीय एनजीओज की सहायता, पर्यावरण, स्वच्छता और सांस्कृतिक परियोजनाओं में मदद करने के लिए डिपस्लूट नगर में स्थानीय अभिशासन और समुदाय के साथ कार्य किया।

2007

स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रेरकों के नेतृत्व में 52 विश्वविद्यालयों के 85 छात्रों ने अलेक्जांड्रा, मार्शलटाउन और डिपस्लूट में कार्य किया। कार्य-शोध आदि से यह बात उभर कर आई कि उनके जीवन में सुधार के मुख्य सरोकार इस प्रकार हैं: आवास, स्वच्छता, पर्यावरण और संचार। कुछ परियोजना को 2007 में कुछ अन्य को 2008 और 2009 में कार्यान्वित किया गया।

2008-09

ग्लोबल स्टूडियो 2008 और 2009 ने 170,000 की आबादी वाले नगर डिपस्लूट में, जोहानेसबर्ग के बाहर स्थित है, कार्य किया। इस नगर के 75 प्रतिशत लोग अनौपचारिक बस्तियों में रहते हैं। ग्लोबल स्टूडियो ने स्थानीय सरकार के साथ संपर्क कर कार्य आरंभ किया। तीन वर्षों में अकादमिक समुदाय के सहयोग से ज्ञान, विश्वास और क्षमता का निर्माण किया गया और बदलाव के प्रेरकों के रूप में नये संगठनों के लिए आधार तैयार किया गया।

मार्शलटाउन, 2007
शहर के भीतर के प्रवासियों को बुनियादी सेवाओं का – पानी, बिजली और तापन का अभाव।

अलेक्जान्ड्रा टाउनशिप, 2007
लहरदार लोहे की चादरों से बनी झोंपड़ी या तो ठंडी होती है या गरम। सरल प्रकार के ऊष्मारोधन (इंसूलेशन) से इसे पर्याप्त रूप से आरामदेह बनाया जा सकता है।

डिपस्लूट, 2007
वर्तमान शैक्स (मलिन बस्तियों) को उन्नत करना।

वातावरण

डिपस्लूट में कचरे की नालियों के रिसाव और कूड़ा फेंकने की वजह से ऐसी परियोजनाएं तैयार की गईं जो पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों पर कार्य कर रही हैं। इन मुद्दों में बाढ़ के पानी को दिशा देना, पैदल चलने वालों के लिए पुल बनाना, शहरी कृषि आदि शामिल हैं।

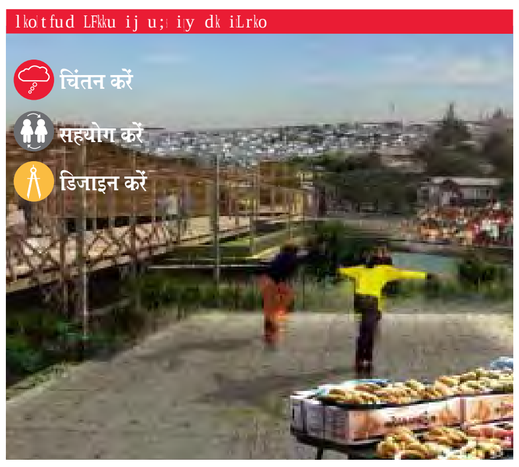

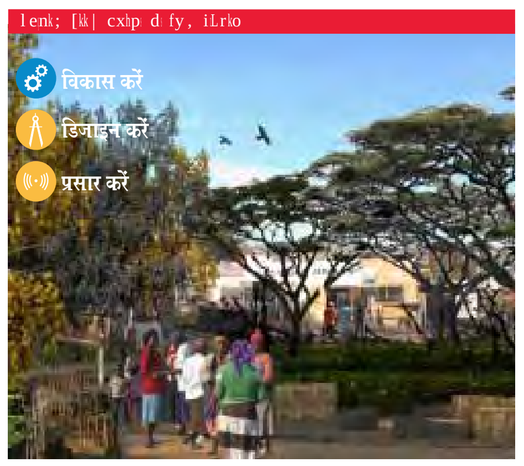

साफ-सफाई

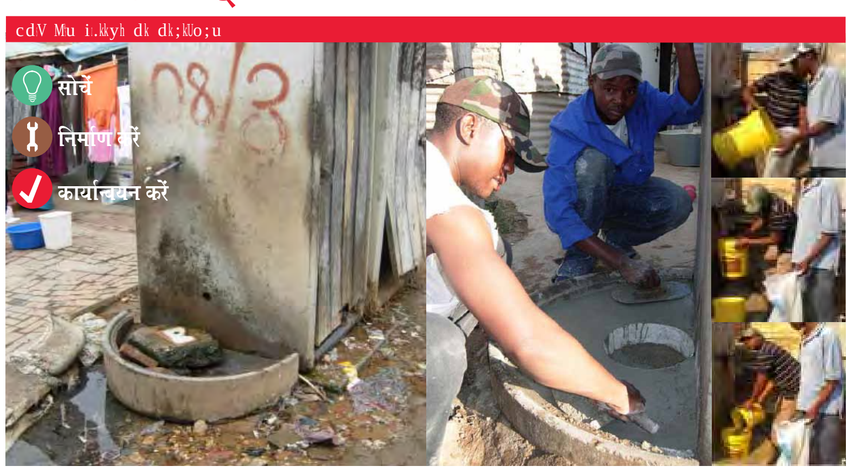

रिसते नाले और खराब शौचालय सड़कों और गलियों को दूषित करते हैं। दोहरी सीवर प्रणाली से रुकी हुई नालियों को ठीक किया और शौचालयों के स्थान और सबसे अधिक आबादी वाले स्थानों में कचरा एकत्र करने के स्थानों के लिए जीपीएस (जीपीएस) का उपयोग किया गया।

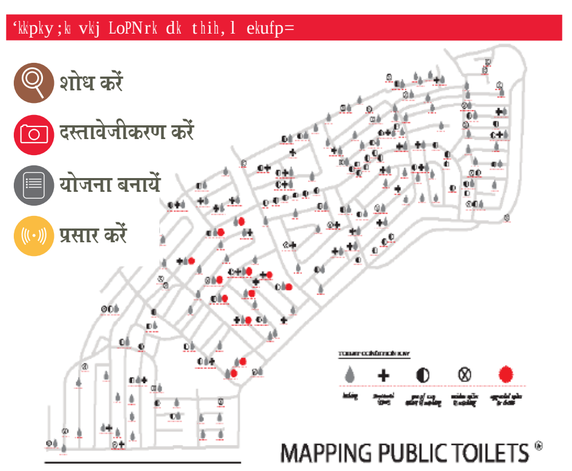

कला और संस्कृति

वर्ष 2008 में ग्लोबल स्टूडियो की समुदाय बैठकों में 200 से अधिक लोगों ने कलाकारों के रूप में स्व-पहचान की। गैर-लाभकारी संस्था के रूप में पंजीकरण कराने के ग्लोबल स्टूडियो के सुझाव के बाद डिपस्लूट आर्ट्स एंड कल्चर नेटवर्क की सन् 2009 में स्थापना की गई। इस सहयोग के अंतर्गत कला उत्सवों, आदि का आयोजन किया गया है।

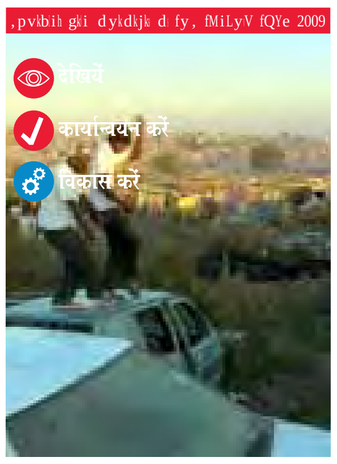

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

केस स्टडी 5

गैर लाभकारी: स्टिकी सिचुएशंस, डब्ल्यूएसएसयूपी, डीएसीएन
परियोजना: समावेशपूर्ण डिस्लूट
स्थान: जोहनेसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका
अवधि: 2007-जारी है

समुदाय आधारित परियोजनाओं की ओर बढ़ें

अकादमिक सहयोग

प्रभावी समुदाय विकास

विश्वविद्यालय, अकादमिक लोग और छात्र सहभागी कार्यों आदि के माध्यम से अधिकारियों, और समुदायों के साथ जुड़ सकते हैं।

डीएसीएन और डब्ल्यूएसएसयूपी डिपस्लूट नगर के लिए मिल कर काम कर रहे हैं।

वर्ष 2007–2009 में अकादमिक सहयोग ने नये प्रकार के समुदाय विकास आदि को अवसर प्रदान किया। डिजाइन को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करके अकादमिक जगत लोगों के सहयोग से विकास के कुछ लाभ प्रदान करवा सकता है।

डब्ल्यूएसएसयूपी/ डीएसीएन/ ग्लोबल स्टूडियो/ स्टिकी सिचुएशंस
'दूसरों के साथ डिजाइन 90 प्रतिशत' राष्ट्र संघ, *न्यू यॉर्क, 2010*

स्टिकी सिचुएशंस *(अनु. 2009)*

fo'ofo|ky;k vkj lEeyukeh dk;Øe iLrqr djrs gq, MCY;,,l,l;ih

jpukRed :i ls vk; dh volj inku djrs gq,

ग्लोबल स्टूडियो से बाहर निकल कर स्टिकी सिचुएशंस ने डिपस्लूट के समुदाय के प्रति दीर्घकालिक बचनबद्धता की। इस समय यह संस्था सांगठनिक क्षमता का निर्माण करने, प्रासंगिक संस्थाओं के साथ साझेदारियां बनाने और अकादमिक एवं पेशेवर पहलकदमियों के लिए कार्य करती है।

अधिक जानकारी के लिए देखें:
www.stickysituations.org

lenk; dh fuokfl;ksa LFkkuh; ljdkjksa] fuf/kdkjksa] vdknfed lLFkkvksa dh lkFk lk>nkjh

tkx:drk fuekZk.k

डब्ल्यूएएसएसयूपी *जल, सुविधा, स्वच्छता सेवाएं, कार्यक्रम उन्नतीकरण*

fjlrh gb ukfy;k vkj 'kkpky; LokLF; ij iHkko Mkyr gq,

डब्ल्यूएएसएसयूपी की स्थापना 2009 में की गई थी। इसके बाद "स्टिकी सिचुएशंस" ने डब्ल्यूएएसएसयूपी, सहकार (कोआपरेटिव) स्थापित करने और निधियां प्राप्त करने के लिए स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर कार्य किया। डब्ल्यूएएसएसयूपी, स्थानीय शासन के साथ कार्य करता है और सामुदायिक शौचालय मरम्मत और रख–रखाव को व्यवसाय चलाते हुए कुछ निवासियों को रोजगार प्रदान करता है।

अधिक जानकारी के लिए देखें:
www.wassupdiepsloot.com

lenk; dh Hkkxhnkjh

MCY;,,l,l;ih }kjk fMiLyV dh 'kkpky;k dh ejEer vkj j[k&j[kko

डीएसीएन *डिपस्लूट आर्ट्स और कल्चर नेटवर्क*

dykdkjk vkj nLrdkjksa dk fy, volj

;okvksa dk lkFk dk; djus fgr&gkfi dykdkj

dyk vkj lkLdfrd mRlo] 2012

ipk dpkj tkgkulcx e Mh,lh,uj 2012

fMiLyV dykdkjksa }kjk lkotfud dyk iLrfr

डिपस्लूट संगीत, नाटक, नृत्य और दृश्य कलाओं के क्षेत्र में समृद्ध सांस्कृतिक जीवन के लिए कार्य करता है। ग्लोबल स्टूडियो ने संसाधनों और अवसरों के अभाव को दूर करने के लिए एक संस्था बनाने का सुझाव दिया था। इस तरह 2008 में डिपस्लूट आर्ट्स और कल्चरल नेटवर्क (डीएसीएन) का गठन नगर के पहले कला और सांस्कृतिक उत्सव के साथ हुआ। 2009 में एक गैर–लाभकारी संस्था के रूप में पंजीकृत डीएसीएन स्थानीय कलाकारों को शिक्षा और संस्कृति के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दों पर कार्य करने का अवसर प्रदान करता है।

अधिक जानकारी के लिए देखें:
www.diepslootarts.org

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

पेशेवर कर्मी

“हमें यह थोड़ी समझ है कि समुदाय किस तरह अपनी राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को लेकर सवाल उठाते हैं और उन्हें समझते हैं, और कैसे वे अपने शहर बनाते हैं। हम कभी-कभार ही उनकी प्रक्रियाओं में भाग लेते हैं। हम समुदाय सहभागिता की प्रक्रिया को 180° बदलने की वकालत करते हैं।
अधिक समावेशपूर्ण शहर अधिकार प्रदान किये जाने से जन्म लेंगे। इसके लिए यह जरूरी है कि हम परियोजनाओं का पक्ष लेने वाले तर्क की बजाय कार्यक्रमों और प्रणालियों को मजबूत बनाने वाले तर्क की ओर बढ़ें।”

– मैरी एक्विलिनो, ईएसए पैरिस और मैगी स्टेफेंसन
(यूएन हैबिटेट, हैती), 2012

“समुदाय के वास्तुकार समुदाय को समुदाय के रूपांतरण की नई संभावनाओं और समाधानों की परिकल्पना करने में मदद करते हैं। ये वास्तुकार शीघ्र ही अनेक समाधानों के बारे में सोच सकते हैं और संभावनाएं तैयार कर सकते हैं। इस तरह के कौशल तब उनके लिए काफी अधिक सहायक होते हैं जब वे समुदाय के रूपांतरण के दौरान लोगों का मार्गदर्शन करते हैं। इस तरह वे समुदाय को विकास के वास्तविकतापूर्ण विकल्प तैयार करने में मदद कर सकते हैं।”

– लुआनसेंग और अन्य, एसीसीए,
एनवायरनमेंट और अर्बनाइजेशन, 24: 2012

सबसे आम गलती यह होती है कि सहभागी प्रक्रियाओं को केवल जरूरतों की मांग करने के लिए किया जाता है... अधिकतर शहरी संदर्भों में लोगों की जरूरतें सभी को मालूम होती हैं और अधिकतर सरकारों के पास उनकी पूर्ति के लिए संसाधन और क्षमताएं नहीं होतीं। कोई भी प्रभावकारी सहभागी प्रक्रिया लोगों को अपनी जरूरतों पर विचार करने में शामिल करती है, पर इस दृष्टि से कि सरकार क्या कर सकती है, क्या उसके पास संसाधन हैं और क्या वह लंबे समय पर निवेश करने के प्रति वचनबद्ध होने की इच्छुक है।

– एडगर पीटर्स यूनिवर्सिटी ऑफ केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका, 2012

विश्व में डिजाइनर समुदायों को कैसे शामिल कर रहे हैं?

चित्र का स्रोत: एसीसीए, थाइलैंड

केस स्टडी 6 और 7

06
गैर लाभकारी: हैल्थैबिटैट
07
गैर लाभकारी: आर्काइव ग्लोबल

स्वास्थ्य के लिए आवास विकसित करना

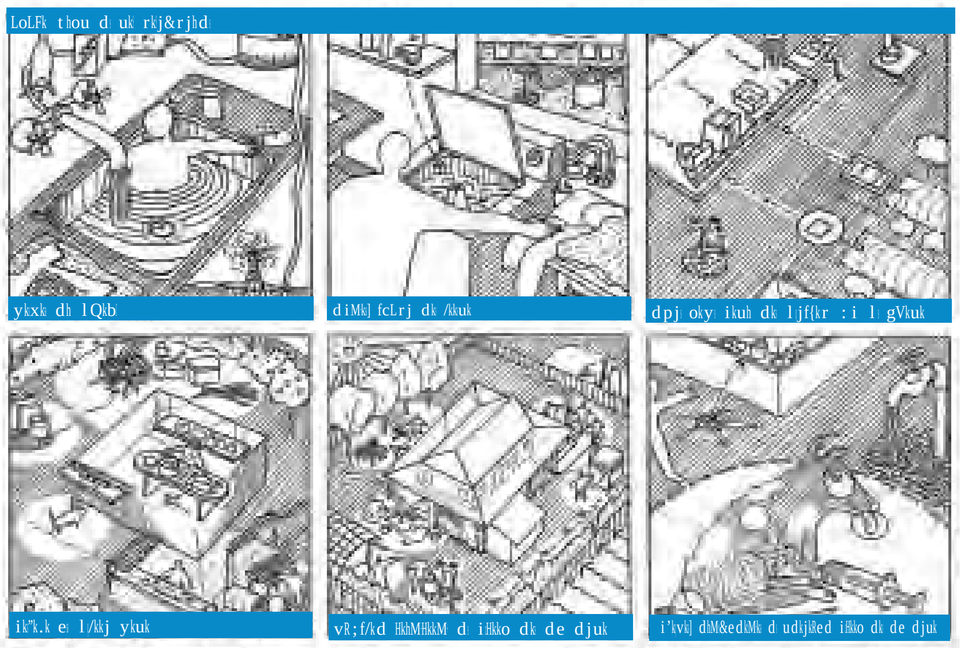

जो लोग पिछड़े और अधिकारहीन हैं वे बाहरी लोगों के शब्दों पर शायद ही कभी विश्वास करते हैं और जो लोग सुधार और बदलाव का वायदा कर रहे हैं - चाहे योजनाकार हों, वास्तुकार, इंजीनियर या छात्र हों - उनके शब्दों पर विश्वास नहीं किया जाता तो विषय-वस्तु की उपेक्षा होती है और समुदाय शामिल नहीं हो पाता है।

परियोजनाएं चाहे ग्रामीण नेपाल में चल रही हों चाहे न्यू यॉर्क में या आस्ट्रेलिया के दूर-दराज के क्षेत्रों में आम लोग आरंभिक बैठक में यही प्रश्न पूछते हैं - 'हम आप पर क्यों विश्वास करें?' हैल्थ हैबिटैट की परियोजनाओं में सहभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ ऐसी कार्रवाई की जाती हे जो परियोजना समुदाय में रहने वालों के जीवन में... तत्काल सुधार लाती है।"

– पॉल फोलेरोस, हैल्थहैबिटैट

आस्ट्रेलिया, नेपाल, न्यू यॉर्क

हैल्थहैबिटैट

आस्ट्रेलिया (स्था. 1985)

विजेता 2011 विश्व हैबिटैट पुरस्कार

हैल्थहैबिटैट की शुरूआत एक वास्तुकार, एक डाक्टर और एक मानवशास्त्री के बीच साझेदारी से हुई थी। संस्था का लक्ष्य उनके आवास और आसपास के वातावरण में सुधार ला कर पिछड़े समूहों, विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है।

अधिक जानकारी के लिए देखें
www.healthabitat.com

- लोगों की जीवन स्थितियों में कुछ सुधार लाओ।
  कुछ ऐसा करो जो अंतर ला सके।
- "सेवा के बिना कोई सर्वेक्षण नहीं"
  पहले दिन से बदलाव लाओ (फ्रेड होलोज)
- स्थानीय लोगों के बीच विश्वास जमाओ;
  कार्य के मार्गदर्शन के लिए दीर्घकालिक प्राथमिकताएं तय करो।
- स्थानीय लोगों को रोजगार दो।
  परियोजना को टिकाऊ बनाने के लिए दीर्घकालिक क्षमता निर्मित करो।
- प्रक्रियाओं और परिणामों को मॉनीटर करो।
  ठोस आंकड़े और लोगों के अनुभव से जुड़ी कहानियां एकत्र करें।
- लेटरल (पार्श्विक) तरीके से सोचो।
  इसी तरह के सिद्धांत ग्रामीण आस्ट्रेलिया और शहरी न्यू यॉर्क में लागू हो सकते हैं।
- परियोजनाओं में छात्रों को शामिल करो, वे पेशेवरकर्मियों की अगली पीढ़ी हैं।
- विभिन्न विषयों पर काम करो, स्थानीय साझेदारों की तलाश करो।
- पहले सहभागी समुदायों के बीच और फिर सभी के बीच परिणामों को प्रसारित करो।

LFkkuh; j n'kt lenk;k dk ydj dke djuk vkLVfy;k

आस्ट्रेलिया *(1985–जारी)*

स्वास्थ्य के लिए आवास एक ऐसी पद्धति है जो आवास और रहन-सहन के वातावरण को सीधे-सीधे स्वास्थ्य परिणामों से जोड़ने वाले नौ स्वस्थ जीवन व्यवहारों पर आधारित है। देशज आस्ट्रेलियाइयों की निम्न जीवन स्थितियों में सुधार के लिए 1999 से 75 आवासों में सुधार लाया गया है। "स्वास्थ्य के लिए आवास" सीधे-सीधे 45,000 लोगों के जीवन में सुधार लाने में सफल रहा है।

यूएसए *(2010)*

न्यू यॉर्क शहर के अधिकतर सार्वजनिक आवासों को मरम्मत की जरूरत है। कॉमन गार्ड और ब्राउन्सविले पाटनरशिप के साथ मिल कर हैल्थहैबिटैट को ब्रूकलिन में 10 आवासीय खंडों में "स्वास्थ्य के लिए आवास" मॉडल का परीक्षण करने को कहा गया था। इस सफल और लागत-प्रभावी परीक्षण ने विस्तार के लिए रास्ता तैयार किया और न्यू यॉर्क के शहरी निर्धनों के लिए स्वास्थ्य और आवास संबंधी सुधारों में तेजी लाई।

cdfyu] U; ;kd e lkoZtfud vkokl vkSj vkVeVI dh ejEer djuk

नेपाल *(2007–जारी)*

नेपाल में समुदाय स्वास्थ्य विकास सोसाइटी के साथ साझेदारी करते हुए हैल्थहैबिटैट ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के और आर्थिक मुद्दों को हल करने के लिए पौचालयों और बायोगैस डाइजेस्टरों के डिजाइन तैयार किये।

अब मानव और पषु कचरे से तैयार मुफ्त, धुआं-रहित बायोगैस का उपयोग भोजन पकाने के लिए किया जा रहा है और यह सांस की बीमारियां पैदा करने वाले धुएं के चूल्हे का स्थान ले रही है। बायोगैस के कचरे की खाद के उपयोग के फलस्वरूप फसलों से अधिक आय प्राप्त हो रही है। महिलाओं के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रम और इस समय जारी रख-रखाव निधि की स्थापना से एक टिकाऊ पद्धति सुनिश्चित करने में मदद मिली है। परियोजना के अगले चरण में शौचालयों और बायोगेस्टरो के कार्य में मदद करने के लिए वास्तुकला के छात्र गांव वालों के साथ मिलकर कार्य करेंगे।

ljf{kr dpjk fuiVku vkj lkenkf;d 'kkpky;] uiky

स्थानीय लोगों द्वारा 82 शौचालयों का निर्माण किया गया जिससे 1,000 ग्रामीणों को लाभ प्राप्त हुआ।

स्वास्थ्य में डिजाइन के माध्यम से सुधार

grh ifr;kfxrk] LokLF; l/kkj vkokl

grh ifr;kfxrk] LokLF; l/kkj vkokl

de:u ifr;kfxrk] eyfj;k&k&jk/kh vkokl

de:u ifr;kfxrk] eyfj;k&k&jk/kh vkokl

हैती

सेंट मार्क के समुदाय में 4.5 प्रतिशत लोग एचआईवी से प्रभावित हैं। इसका मतलब है टीबी होने की संभावना का बढ़ जाना। अक्सर टीबी ही एचआईवी और एड्स के साथ जीने वाले लोगों की मृत्यु का मुख्य कारण होती है।

आर्काइव ने स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता के आयोजन हेतु फॉंडेशन इस्थर बाउसिकौल्ट स्टानिस्लास के साथ साझेदारी की। विश्व से पांच विजेता आवास डिजाइनों का निर्माण किया जायेगा।

नेपाल

याओन्डे में 85 प्रतिशत बस्तियां अनौपचारिक हैं और पांच वर्श के कम आयु के बच्चों की 50 प्रतिशत मृत्युओं का कारण मलेरिया होता है। 2004 में इनमें से केवल 11 प्रतिशत बच्चे ही मच्छरदानियों के भीतर सोते थे। मच्छरदानियों की संख्या बढ़ाने से मच्छरों के काटने की घटनाओं में 85 प्रतिषत की कमी आई है।

- डिजाइन प्रतियोगिता स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर नये समाधान प्रदान कर सकती है।
- स्थानीय एनजीओज के साथ साझेदारियां उपयुक्त प्रतियोगिता लक्ष्य और डिजाइन विशेषज्ञता प्रदान कर सकती हैं और परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए निधियां सुनिश्चित कर सकती हैं।
- प्रतियोगिताओं में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी से पिछड़े लोगों की समस्याओं के बारे में जारूकता में वृद्धि हो सकती है।

हैती, कैमरून

आर्काइव ग्लोबल

ब्रिटेन और अमेरिका (स्थापना 2006)

आर्काइव ग्लोबल एक गैर-लाभकारी अंतर्राष्ट्रीय संस्था है जो सर्वाधिक पिछड़े लोगों के बीच रोगों से निबटने के लिए आवास/पर्यावरण डिजाइन का उपयोग करती है। संस्था एक बुनियादी जरूरत-आवास का एक बुनियादी अधिकार-स्वास्थ्य-को प्रदान करने के लिए उपयोग करती है।

अधिक जानकारी के लिए देखें
www.archiveglobal.org

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

हैल्थहैबिटैट

आर्काइव

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

केस स्टडी 8 और 9

08
गैर लाभकारी: एसीसीए

08
गैर लाभकारी: ब्राक यूनीवर्सिटी

जन-संचालित बदलाव को सुगम बनाओ

dkBdkM] uiky e lgHkkxh fu;kstu

bMkuf'k;k e foink dk ckn 'kkpky; fuek.k

"प्रश्न यह नहीं है कि शहरी निर्धनों को कैसे 'प्रशिक्षित' करना है या उनके व्यवहार को कैसे बदलना है; प्रश्न तो यह पता लगाना है कि विकास हस्तक्षेप किस तरह पहले से मौजूद शक्ति को पोषित और विकसित करता है ताकि लोग बदलाव ला सके।"

cU;kcpk] ,l- dkjfl yj] ,u-dj] Vh- i;kor.k vkj 'kgjhdj.k] 2012

अफगानिस्तान, बांग्लादेश, बर्मा, कंबोडिया, चीन, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिपींस, श्री लंका, थाइलैंड, वियतनाम

odfyid fMtkbu vkj ctV vuqeku ij fopkj ckYkn'k

vdknfed lyYkurk

E;kuekj cek e 0;kid fuek.k LFky fu;kstu

एसीसीए *(एशियन कोलीशन फॉर कम्यूनिटी एक्शन) थाईलैंड (स्थापना 2009)*

एसीसीए एशियाई शहरों में एक समुदाय उन्नतीकरण प्रक्रिया का निर्माण कर रहा है जिसे पूरे शहर में वास्तविक जरूरतों द्वारा चालित ठोस कार्रवाई के आधार पर लोगों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। यह साझेदारियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य ढांचागत बदलाव लाना है। 2009 से 2012 तक एसीसीए कार्यक्रम में 19 एशियाई देशों के 165 शहरों में 950 छोटी उन्नतीकरण परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है।

एसीएचआर के अंतर्गत काम करते हुए आथ्र बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित एसीसीए बस्ती, शहर, राष्ट्र और क्षेत्र के स्तर पर प्रभावकारी शहरी निर्धन-समर्थक विकास के कार्य में संलग्न हैं।

vf/kd tkudkjh d fy, n[k
www.achr.net

- बदलाव के प्रेरकों के रूप में समुदाय
- चालक शक्ति के रूप में महत्व
- कार्रवाई पर जोर
- शहरव्यापी चिंतन, शहरव्यापी कार्रवाई
- संसाधनों का रणनीतिक उपयोग
- लोगों के साथ कार्य, हर शहर अपनी समस्याओं को हल कर सकता है।
- ढांचागत बदलाव पर जोर
- एशियाई वास्तविकताओं के लिए एशियाई समाधान
- वर्तमान सकारात्मक पहलुओं को आधार बनाना
- पहले दिन से ही शहरव्यापी पैमाने पर कार्य करना

bÝkLVDpj dk mUur djus d fy, lenk; fuek.kdrk if'k{k.k

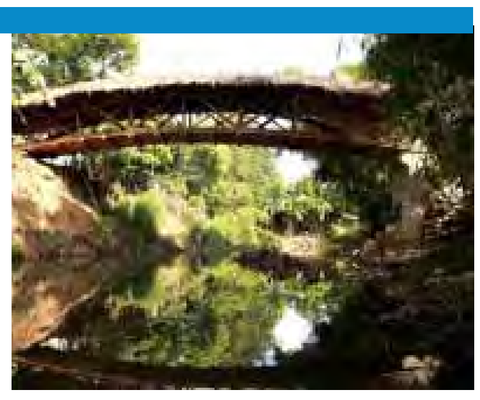

छोटी परियोजनाएं
वर्ष 2009 के अंत तक एसीसीए ने 13 देशों के 290 झोंपड़पट्टी समुदायों के लिए कुल 299 छोटी परियोजनाओं को मंजूरी दी थी। ये सुधार समुदाय द्वारा नियोजित किये गये थे और स्वयं समुदाय ने इनका कार्यान्वयन किया था।

इन परियोजनाओं में सड़कें, पैदल पथ और नालियां बनाने से लेकर सामुदायिक शौचालयों, खाद बनाने की प्रणालियों, पुलों, समुदाय केंद्रों का निर्माण करना, वृक्षारोपण करना, समुदाय अग्नि-संरक्षण प्रणालियां तेयार करना तक शामिल था। इन परियोजनाओं से सीधे-सीधे 45,000 लोगों को लाभ प्राप्त हुआ है।

बड़ी परियोजनाएं
वर्ष 2009 के अंत तक 12 नगरों में 32 आवास परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी थी। इन परियोजनाओं में मकान-मालिकों को नियोजन और कार्यान्वयन के हर चरण में मुख्य भूमिका दी गई है। ये कम लागत वाली परियोजनाएं आर्थिक, व्यावहारिक और दोहराये जा सकने वाले मॉडल प्रदर्शित कर रही है।

छोटी परियोजनाएं
एसीसीए कार्यक्रम में पूरा शहर एक बुनियादी कार्य इकाई है। हर शहर में कार्यक्रम का पहला और सर्वाधिक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप एक शहरी निर्धनों का एक शहरव्यापी आंदोलन निर्मित करना और आवास एवं निर्धनता की शहर की समस्याओं को हल करने के तरीकों को बदलने के लिए इस आंदोलन की शक्ति का उपयोग करना होता है।

शिक्षा के माध्यम स विश्वास का निर्माण करना

vk'kk dk ep & vk'kkj ekpk

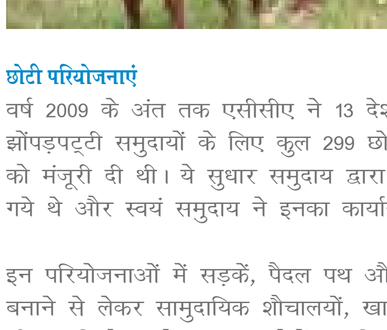

vk'kkj ekpk & cPpk d fy, ,d LFkku

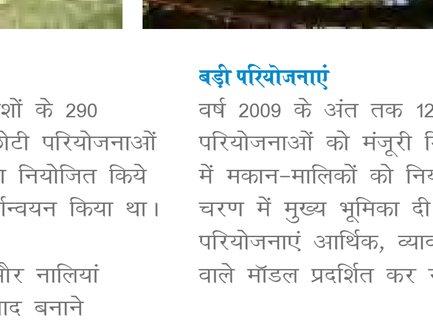

ikuh l vk'kkj ekpk

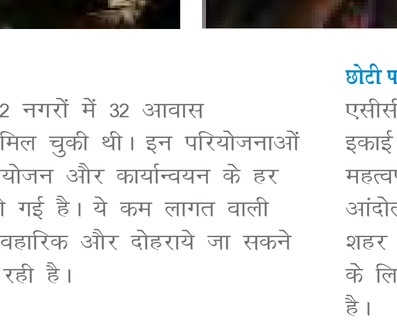

Mh,pvkj ifj;kstuk & lkbDyku vkbyk d ihfMr

lenk; d lkFk ckd fo'ofo|ky; d Nk=k }kjk dk;k

foink&jk/kh vkokl

"तकनीक और टेक्नालॉजी महत्वपूर्ण तो है पर विश्वास को बढ़ाना इस दशक का मुद्दा है।"
& fLVQu dks fn LihM vkQ VLV] 2008

प्लेटफार्म फॉर होप - आशार माचा
2007 से भूदृश्य वास्तुकार खोंडकर हसीबुल कबीर कोरेल में रहते हैं जो विस्तारित होते महानगर, ढाका की सबसे बड़ी झोंपड़पट्टी है। ब्राक विश्वविद्यालय में पढ़ाते हुए उन्होंने एक छोटे बगीचे और बांस के प्लेटफार्म, आशार माचा पर स्थानीय परिवारों के साथ कार्य किया। आशार माचा ने बच्चों को खेलने, एक दूसरे के काम करने, पढ़ने और बगीचे में बने छोटे पुस्तकालय से पढ़ने के लिए पुस्तकें लेने का एक स्थान प्रदान किया।

डिजाइनर रसिलिएंट हैबिटैट (डीआरएच)
2009 में साइक्लोन आइला द्वारा प्रभावित एक छोटे से समुदाय के साथ 43 मकानों और एक विद्यालय-सह-साइक्लोन आश्रय स्थल का निर्माण किया गया। इस पहल को यूएनडीपी और ब्राक विश्वविद्यालय ने सहायता प्रदान की।

- कार्रवाई और व्यक्तिगत प्रतिबद्धता से विश्वास विकसित करना।
- बहुविषयी टीम के सदस्यों को शामिल करना।
- आशा प्रेरित करने वाली परियोजनाओं में शामिल होना।
- छात्रों को अनुभवजन्य ज्ञान प्रदान करना।

बांग्लादेश

ब्राक विश्वविद्यालय
बांग्लादेश

ब्राक विश्वविद्यालय, ढाका का वास्तुकला विभाग ऐसे कार्यक्रम तेयार करता रहा है जो स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं के संदर्भ में कार्रवाई और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से निर्धनता की समस्या पर कार्य करते हैं।

कार्यक्रम कार्य टीमों के माध्यम से विश्वास निर्मित करते हैं। इन टीमों में मिस्त्री, बढ़ई, कवि, गायक, बांस का सामान बनाने वाले मजदूर, मकानों के मालिक, इंजीनियर, वास्तुकार, भूदृश्य वास्तुकार, विपदा प्रबंधक और वास्तुकला के छात्र शामिल होते हैं।

इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

एसीसीए

बीआरएसी

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO

"सरकार और शहर आवास की समस्या को हल नहीं कर सकते, पर क्या वे लोगों को अवसर प्रदान करते हैं?"

& 'khyk iVy *स्पार्क और एसडीआई, भारत*

अगर आप भारत के रूपांतरण का हिस्सा बनना चाहते हैं तो आपको बहुविषयी दलों में काम करना होगा। हमें परिवर्तनकर्ताओं की एक पूरी नई पीढ़ी तैयार करनी होगी। 2020 के दशक के अंत में युवा लोगों को क्या जानने की जरूरत है - जब उनके पास परिवर्तन लाने की शक्ति है। हम एक नये व्यवसाय का निर्माण कर रहे हैं। हम उन्हें "शहरी विकासकर्ता" कह सकते हैं। हमें "क्यों" वाले प्रश्नों का उत्तर देना होगा, न कि "कैसे" वाले प्रश्नों का।

& vkjkej joh *आईआईएचएस, लारत 'शहरों के बारे में जानें' (यू ट्यूब)*

"लोगों को ही बनने दो समाधान"

– lkeld c[;kcpk *एसीएचआर, थाईलैंड*

जैसा कि ब्रोनिस्लाव मलिनोवस्की ने मानव विज्ञानियों से आग्रह किया था – पेशेवरकर्मियों को बरांडे से उतर कर कुटिया में, टैंट में, झोंपड़पट्टी में आना चाहिए और उस दुनिया की छानबीन करनी चाहिए जिसमें झोंपड़पट्टियों के निवासी रहते हैं ताकि वे तरीके ढूंढे जा सकें जिनसे उनके कौशलों से सहायता मिल सके। चुनौतियों का मुकाबला करने में शहरी निर्धनों की मदद करने की सचमुच दिलचस्पी होती है। ऐसा केवल वास्तुकला की या नियोजन की चुनौतियों की वजह से नहीं है, बल्कि इस वजह से भी है कि निम्न आय वाले देशों के शहर नयी सोच और विचारों के गतिशील और दिलचस्प स्थान है। इन शहरों की जटिलताओं का सामना करने के लिए सर्वाधिक रचनात्मक दिमागों की जरूरत होती है।

अगर इसे निर्धन-समर्थक होना है तो कार्रवाई के ढांचे में भूमंडलीकरण के प्रति सामाजिक न्याय का परिप्रेक्ष्य शामिल होना चाहिए जिसमें निर्धन लोग विकास की "वस्तुएं" नहीं, बल्कि उसका "विषय" बनें।

& LDykj x#m vkj dkjkfyuh] *शहर में एक घर, 2005, झोंपड़पट्टी निवासियों के जीवन में सुधार पर कार्यदल की रिपोर्ट।*

अवसर, उपकरण और जानकारी प्रदान किये जाने पर शहरी निर्धन किस तरह परिवर्तन के प्रभावकारी एजेंट और नेता बन सकते हैं?

चित्र का स्रोतः स्टिकी सिचुएशंस, जोहनेसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका

आप भागीदारी कैसे कर सकते हैं?

अपना अनुभव बतायें:
संस्थाओं, शैक्षिक कार्यक्रमों और समावेशपूर्ण शहर के निर्माण में संलग्न समुदायों का विस्तार करें।

पुस्तकों, फिल्मों, वार्ताओं, संस्थाओं के हमारे संसाधन आधार को देखें।

हमारी सूची में नये संगठन, पुस्तकें, फिल्में और कार्यक्रम जोड़ें

www.peoplebuildingbettercities.org
पर बेहतर शहर का निर्माण करने वाले लोगों के नेटवर्क का निर्माण करें।

For more ways to get involved — Use your smart phone's QR Code reader.

"अस्तव्यस्त चीजों और अस्पष्टता को छोटे नहीं, बल्कि उसे लेकर कार्य करें। अवसर को भी एक अवसर दें। उलझने के लिए तैयार रहें क्योंकि आप संभवतः इसे हाथ से पकड़ नहीं सकते। यह मानें कि अव्यवस्था में उलझना रचनात्मक कार्य की पूर्व पीठिका है... उद्देश्य के साथ अपने स्थिति बनायें और परिस्थितियों को मार्गदर्शन प्रदान करने दें।"

& uchy gehn *स्माल चेंज 2004*

चित्र सोतः पीपीएसआर//ग्लोबल स्टूडियो, बैंकूबर, कनाडा

लोगों के बल, बेहतर शहरों का कल

सहभागिता और समावेशपूर्ण शहरीकरण

प्रदर्शनी डिजाइन और विकास

अन्ना रुबो, *ग्लोबल स्टूडियो संस्थापक, सीएसयूडी, कोलम्बिया विश्वविद्यालय और एफएडीपी, सिडनी विश्वविद्यालय*

मेगन बुलोक, *रचनात्मक निदेशक, मैश डिजाइन, न्यू यॉर्क*

मैथियस न्यूमेन, *वास्तुकार, नार्मल डिजाइन, न्यू यॉर्क*

देवांगी रामकृष्णन, *शहर डिजाइनर, अर्बन डिजाइन कलैक्टिव, पोंडिचेरी*

जेनिफर वैन डेन बुश्वे *स्टिकी सिचुएशन फाउंडर, जोहनेसबर्ग*

विलियम वान, *छात्र, एफएडीपी, सिडनी विश्वविद्यालय*

निम्नलिखित को धन्यवाद

ग्लोबल स्टूडियो के साझेदार, संरक्षक और सहभागी जिन्होंने इस प्रदर्शनी को संभव बनाया

परियोजना सलाहकार :

निरुपम बाजपाल, *निदेशक, कोलंबिया ग्लोबल सेंटर्स दक्षिण एशिया*

सोमसूक बून्याबंधा *एसीएचआर, थाइलैंड*

लुइस कौवस *यूआईए पिछले प्रेसीडेंट*

अलेक्जेंद्रे अपसान फ्रीडियानी *डीपीयू, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन*

नबील हामिद *प्रोफेसर एमेरिटस ऑक्सफोर्ड ब्रूक्स यूनिवर्सिटी*

मेरी हवजेमेवर, *प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, विट्स विश्वविद्यालय*

जेकलिन क्लोप, *रिसर्च स्कॉलर, सीएसयूडी, अर्थ इंस्टीट्यूट, कोलम्बिया विश्वविद्यालय*

गीता मेहता, *जीएसएपीपी, कोलम्बिया विश्वविद्यालय और यूआरबीजेड भारत*

पीटर फिब्स, *प्रोफेसर आर्किटेक्चर, डिजाइन एंड प्लानिंग, सिडनी विश्वविद्यालय*

पॉल फोलेरोस, *निदेशक, हैल्थहैबिटैट, आस्ट्रेलिया*

एडगर पिटर्सें, *निदेशक, अफ्रिकन सेंटर फॉर सिटीज, केप टाउन विश्वविद्यालय*

एलियट स्क्लार, *निदेशक, सीएसयूडी, अर्थ इंस्टीट्यूट, कोलम्बिया विश्वविद्यालय*

सिंथिया ई. स्मिथ, *क्यूरेटर, कूपर हैविट, नेशनल डिजाइन म्यूजियम*

डी. अजय सूरी *सिटीज एलाएंस, दक्षिण एशिया क्षेत्र, भारत*

धन्यवाद ज्ञापन

sappi | ideas that matter

अन्य को धन्यवाद

COLUMBIA UNIVERSITY IN THE CITY OF NEW YORK — स्टूडियो-X | ग्रेजुएट स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, प्लानिंग एंड प्रिजर्वेशन | कोलंबिया विश्वविद्यालय

THE UNIVERSITY OF SYDNEY — हेनरी हालोरन ट्रस्ट

सिडनी विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम विकास निधि

Australia India Institute — आस्ट्रेलिया – इंडिया इंस्टीट्यूट

bshf, worldhabitatawards — बीएसएचएफ (ब्रिटिश सोशल हाउसिंग फाउंडेशन)

MESH मेश डिजाइन एंड डेवलपमेंट — दि नाउन प्रोजेक्ट

ग्लोबल स्टूडियो के साझेदार और सहयोगी संगठन

भोपाल: एमएएनआईटी (मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी), मध्य प्रदेश अर्बन सर्विसेज फॉर दि पुअर, मुस्कान, रिज़वी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, सीईपीटी अहमदाबाद, सिडनी विश्वविद्यालय, भोपाल के समुदाय।

जोहानेसबर्ग: स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लैनिंग और क्यूब्स, विटवाटर्सरैंड विश्वविद्यालय, जोहानेसबर्ग शहर क्षेत्रीय कार्यालय और जोहानेसबर्ग डेवलपमेंट एजेंसी; एएसए सिटीज नेटवर्क; अलेक्जांद्रा रिन्यूअल प्रोजेक्ट, डीएसीएन, डब्ल्यूएएसएसयूपी, सिडनी विश्वविद्यालय, अलेक्जांद्रा, कार्शलटाउन और डिपस्लूट के समुदाय।

बेंकूवर: स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड लैंडस्केप आर्किटेक्चर; ब्रिटिश कोलम्बिया विश्वविद्यालय; वीएएनडीयू; एबोरिजिनल फ्रैंडशिप सेंटर, सिडनी विश्वविद्यालय, डाउनटाउन ईस्टसाइड और आसपास के क्षेत्रों के समुदाय।

इस्तांबुल: इस्तांबुल तकनीकी विश्वविद्यालय, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, रोम विश्वविद्यालय, सिडनी विश्वविद्यालय, जेरेक विश्वविद्यालय

WORLD URBAN CAMPAIGN

डिजाइन किस प्रकार आपके आस-पड़ौस या शहर में सुधार लाने में मदद कर सकती है?

For more information and resources on this topic — Use your smart phone's QR Code reader.

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान देना, उसका आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना, और समावेशपूर्ण शहरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, यूनिवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संस्थाओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना है।

GLOBAL STUDIO